हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 10 अगस्त 2025

पीएम ने छात्राओं के साथ मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया, जहां स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संगठन 'ब्रह्माकुमारी' की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। मोदी ने इस उत्सव की एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें युवा छात्राओं के एक समूह ने अपनी खुशी और भावनाओं को व्यक्त किया है। एक छात्रा ने उन्हें योद्धा और रक्षक कहकर सराहा, तो कुछ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया।

स्मार्ट सिटी...रायपुर में आपका स्वागत है

शहर के चारों तरफ लोग तीन घंटे से ज्यादा समय तक जाम में फंसे

बसों के साथ लोकल ट्रेनों में भी यात्रियों की रही भारी भीड़

लंबे जाम से हांफ गया शहर, राखी का इंतजार करती रहीं कलाईयां

रक्षाबंधन पर भाईयों की कलाईयों पर राखी बांधने जा रहीं बहनें और बहनों के यहां जा रहे भाई जाम में फंस गए। स्मार्ट सिटी रायपुर के आउटर में सुबह 11 बजे से जाम के हालात बने। वह तीन बजे तक बने रहे। कहीं सड़कें छोटी पड़ गईं और गाड़ियां ज्यादा। कहीं बदइंतजामी ने जाम के हालात बना दिए। लोगों ने भी ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं किया। हालात ऐसे बन गए कि गाड़ियां जहां खड़ी थी, वहीं खड़ी रह गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दोपहिया से चार पहिया के वाहन चालक साइड मांगने लगातार हार्न बजाते रहे। इसके चलते कई जगह विवाद की स्थिति निर्मित हुई। रक्षाबंधन होने की वजह से अन्य दिनों की तुलना में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की संख्या कम थी। इस वजह से व्यस्त मार्गों में ट्रैफिक मैनेज करने जितना बल लगता है, उससे कम बल सड़कों पर नजर आया।

राजधानी के पचपेड़ीनाका से लेकर भाठागांव इंटर स्टेट बस टर्मिनल जाने वाले मार्ग में सुबह साढ़े 11 बजे के बाद से जाम लगना शुरू हो गया था। इस मार्ग में जाम लगने की बड़ी वजह त्योहार मनाने बड़ी संख्या में लोगों के बस स्टैंड पहुंचने के साथ बाहर से आए लोग अपने-अपने गंतव्य स्थान जाने निकले थे। इसके चलते पचपेड़ी नाका, संतोषी नगर चौक, भाठागांव तथा कुशालपुर चौक के सर्विस रोड के दोनों तरफ जाम की स्थिति रही।

तेलीबांधा इलाके में भी जाम में फंसते रहे

पचपेड़ी नाका से भाठागांव जाने वाले मार्ग के अलावा अवंति विहार, तेलीबांधा, शंकर नगर जाने वाले मार्ग में भी जाम की स्थिति रही। इस मार्ग में चारपहिया से लेकर दोपहिया वाहन रेंगते नजर आए। दोपहर साढ़े तीन बजे के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। दोपहर साढ़े तीन बजे के बाद शहर के सभी मार्गों में सामान्य रूप से आवाजाही शुरू हो पाई।

शहर के अंदरूनी इलाकों में जाम की स्थिति

जाम की स्थिति आउटर के साथ शहर के अंदरूनी इलाकों में रही। रक्षाबंधन के दिन भी लोग घरों से खरीदारी करने निकले थे। शहर के ज्यादातर व्यवसायिक क्षेत्रों में मिठाई का कारोबार करने वाले तथा राखी कारोबारी अपने दुकान के बाहर स्टाल लगा मिठाई के साथ राखी बेच रहे थे। इसके चलते सड़क की चौड़ाई 10 फीट तक कम हो गई। इसके अलावा मिठाई तथा राखी खरीदने आने वाले लोग अपने वाहन सड़क में पार्क कर खरीदारी करने गए। इस वजह से शहर के अंदरूनी इलाकों में जाम की स्थिति रही। इंटर स्टेट बस टर्मिनल को जोड़ने वाले शहर के सभी अंदरूनी इलाकों में जाम की स्थिति रही।

उम्मीद से ज्यादा जाम

ट्रैफिक पुलिस को रक्षाबंधन के दिन मार्गों में सामान्य दिनों की अपेक्षा ट्रैफिक दबाव ज्यादा होने की उम्मीद थी। दोपहर 12 बजे के बाद ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के पास शहर के अलग-अलग इलाकों से जाम की रिपोर्ट आने लगी तो ट्रैफिक पुलिस हड़बड़ा गई। ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार इस वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में ज्यादा जाम की स्थिति रही। शहर में जाम लगने की जानकारी मिलने के बाद ट्रैफिक पुलिस के अफसर अपने कर्मचारियों को जहां ज्यादा जाम की स्थिति थी उन क्षेत्रों में भेज जाम खुलवाने की कोशिश की।

लोकल ट्रेनों में रही बेतहाशा भीड़

लोकल ट्रेनों के साथ बसों में रक्षाबंधन के दिन यात्रियों की भीड़ रही। स्थानीय यात्री अपनी बहनों से राखी बंधवाने रक्षाबंधन के दिन रवाना हुए। इस वजह से रायपुर से लेकर बिलासपुर, रायगढ़ तथा डोंगरगढ़ जाने वाले यात्रियों की ट्रेनों में भीड़ रही। इसके साथ ही अभनपुर, राजिम, धमतरी महासमुंद, आरंग, दुर्ग, सिमगा जाने वाले लोगों की बसों में भीड़ रही।

खबर संक्षेप

एएसआई 22 स्थलों पर कर रहा पुरातत्व अन्वेषण

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि चालू वर्ष में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण देशभर में 22 स्थलों पर खुदाई कर रहा है। संस्कृति मंत्रालय ने बताया कि एएसआई के संज्ञान में आया है कि इसके बजट व व्यय के संबंध में एक मीडिया प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित कुछ रिपोर्ट 'भ्रामक हैं और तथ्यात्मक स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। पिछले 10 वर्षों में एएसआई का व्यय उसके आवंटित बजट की तुलना में बहुत कम रहा है।

जबरन वसूली, सुरक्षाबलों ने छह को किया गिरफ्तार

इंफाल। इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में सुरक्षाबलों ने जबरन वसूली में शामिल होने के आरोप में दो उग्रवादियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इंफाल पूर्वी जिले के तेलीपती क्षेत्र में दुकानों और स्थानीय जनता से जबरन वसूली करने वाले चार लोगों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के एक उग्रवादी को इंफाल पश्चिमी जिले के मोइदांगपोक मानिंग से गिरफ्तार किया गया, जो जबरन वसूली और महिलाओं के साथ अपराध के मामलों को डरा-धमकाकर निपटाने में शामिल था।

दो मालगाड़ियां पटरी से उतरीं, ट्रेन सेवाएं बाधित

जमशेदपुर। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चांडिल के पास शनिवार तड़के दो मालगाड़ियों के 20 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चांडिल-टाटानगर खंड के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने पहले बताया था कि एक मालवाहक रेलगाड़ी पटरी से उतर गयी थी।

सड़क हादसे में दो बहनों समेत पांच की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में सड़क हादसे में दो बहनों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान यादराम मीणा (36), मोनिका मीणा (18), वेदिका मीणा (21), अर्चना मीणा (20) और मुकेश महावर (27) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि अर्चना और मोनिका बहनें थीं। यह दुर्घटना शुक्रवार शाम जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिकंदरा थाना क्षेत्र में उस समय हुई, जब कार सवार पांच लोग जयपुर के बस्सी में परीक्षा देने के बाद गांव लौट रहे थे। एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी।

रक्षाबंधन पर जशपुर एक्सप्रेस का शुभारंभ

बहनों की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के गृहग्राम बगिया से जशपुर एक्सप्रेस का शुभारंभ किया। उन्होंने बिहान योजना से जुड़ी 12 दीदियों को राखी के उपहार स्वरूप ई-रिक्शा प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं स्व-सहायता समूह की महिला श्रीमती गिलसोनिका पाण्डे के ई-रिक्शा में बैठकर बगिया निवास परिसर की यात्रा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह ई-रिक्शा न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि इसकी परिचालन लागत भी कम है। इससे महिलाएं स्थानीय परिवहन सेवाओं में अपनी भागीदारी निभाते हुए आत्मनिर्भर बनेंगी और अपने परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा कर सकेंगी।

मोदी की गारंटी तेजी से लागू

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनकी सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 18 लाख आवास का कार्य तीव्र गति से पूरा किया जा रहा है। इसके साथ ही आवास प्लस प्लस योजना के अंतर्गत 5 एकड़ असिंचित भूमि, 2.50 एकड़ सिंचित भूमि, टू-व्हीलर और 15 हजार रुपये मासिक आमदनी वाले पात्र परिवारों को भी लाभ दिया जाएगा।

उन्होंने रक्षाबंधन की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ की सभी बहनों की सुरक्षा और सहयोग के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्व-सहायता समूह की बहनों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ही यह ई-रिक्शा वितरण किया गया है।

राज्य की सभी 33 जेलों में बंद साढ़े सात हजार बंदियों के साथ उनकी बहनों ने मनाया रक्षाबंधन का पर्व

जेलों में राखी बांधने पहुंची 19 हजार बहनें, खुशी के साथ बहे गम के आंसू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य की सभी 33 जिला के साथ केंद्रीय जेलों में शनिवार को रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। बंदियों को राखी बांधने आने वाली बहनों के लिए जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की थी। बिलासपुर केंद्रीय जेल में राखी बांधने आने वाली बहनों को जेल प्रशासन की ओर से उपहार के रूप में पौधे दिए गए। इस दौरान बहनों के चेहरे पर खुशी नजर आई तो कई बहनें गम में आंसू बहाते नजर आईं। राज्य की अलग-अलग जेलों में बंद 7 हजार 579 बंदियों को उनकी 19 हजार 401 बहनों ने राखी बांधी। इस अवसर पर बंदियों को स्पेशल भोजन भी दिया गया। केंद्रीय जेल, बिलासपुर में राखी ▶▶| शेष पेज 7 पर

राउंड ट्रिप पैकेज की बुकिंग 14 अगस्त से होगी शुरू

रेलवे ने तैयार किया राउंड ट्रिप पैकेज, वापसी यात्रा के मूल किराए पर मिलेगी 20 प्रतिशत की छूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

त्योहारी सीजन के दौरान सफर करने पर रेलवे ने यात्रियों के हित में लाभकारी ऑफर की घोषणा की है। ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को रेलवे अब टिकट पर 20 प्रतिशत तक की छूट देगा। रेलवे की छूट केवल मूल किराए में लागू होगी। आरक्षण और सुपरफास्ट जैसे शुल्क पूरे चुकाने होंगे। छूट का लाभ यात्रियों को रिटर्न टिकट पर मिलेगा। ट्रेनों का दोनों ओर से उपयोग सुनिश्चित करने के लिए रियायती किराए पर राउंड ट्रिप पैकेज योजना तैयार करने ▶▶| शेष पेज 7 पर

फ्लेक्सी किराया वाली ट्रेनों में नहीं

राजधानी और दुरंतो जैसी फ्लेक्सी किराया वाली ट्रेनों को छोड़कर सभी श्रेणियों की ट्रेनों में योजना मान्य होगी। स्पेशल ट्रेनों में भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा रियायती किराए पर वापसी यात्रा बुकिंग के दौरान रेल यात्रा कूपन, वाउचर आधारित बुकिंग, पास या पीटीओ स्वीकार्य नहीं होंगे। आगे और वापसी यात्रा के टिकट एक ही माध्यम से यानी आरक्षण काउंटर या ऑनलाइन बुक किया जा सकेगा। इस योजना के अंतर्गत बुक किए गए टिकटों के ▶▶| शेष पेज 7 पर

इस तरह मिलेगी छूट

इस योजना के तहत समान यात्रियों के समूह के लिए आगे और वापसी दोनों यात्रियों के लिए बुकिंग करने पर छूट लागू होगी। वापसी यात्रा का यात्री विवरण आगे की यात्रा के समान होगा। एआरपी यानी अग्रिम आरक्षण अवधि तिथि 13 अक्टूबर के लिए टिकट बुकिंग प्रारंभ होने की तिथि 14 अगस्त होगी। आगे का टिकट पहले 13 अक्टूबर और 26 अक्टूबर के बीच ट्रेन प्रारंभ होने की तिथि के लिए बुक किया जाएगा। बाद में 17 नवंबर और एक दिसंबर के बीच ट्रेन प्रारंभ तिथि के लिए कनेक्टिंग यात्रा सुविधा का उपयोग कर वापसी यात्रा टिकट बुक किया जा सकेगा। वापसी यात्रा की बुकिंग के लिए 60 दिनों की अग्रिम आरक्षण अवधि लागू नहीं होगी।

अफसरों के तीन-चार मकान

एक रात में 10 सरकारी क्वार्टरों के टूटे ताले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

जिला मुख्यालय से सटे टिकैतगंज के सरकारी क्वार्टरों में बीती रात चोरों ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे दी। एक ही रात में 10 घरों के ताले तोड़कर चोर हजारों-लाखों का सामान ले उड़े। इनमें फूड आफिसर, एसडीओ इरीगेशन, डॉक्टर, सहकारिता पंजीयक के मकान शामिल हैं। चोरी गए सामान में सोना-चांदी के जेवर, नकदी और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, चोरी जिन घरों ▶▶| शेष पेज 7 पर

सुबह दिखा मंजर उड़ गए होश

आज सुबह जब कर्मचारी परिवार लौटे या आसपास के लोगों ने घरों के टूटे ताले देखे, तो इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई और लोगों ने तुरंत कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कुल कितने की चोरी हुई है। पुलिस पीड़ित परिवारों से बातचीत कर चोरी गए सामान की सूची तैयार कर रही है।

शहीद भाइयों की बेजान कलाई में राखी बांधकर रो पड़ी बहनें

जगदलपुर। सुकमा जिले के कोंटा ब्लाक के उस्पालमेटला में 18 साल पहले 9 जुलाई 2007 को नक्सली हमले में 23 परिवार के युवाओं ने शहादत दी थी। उनकी याद में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एर्राबोर में शहीद स्मारक बनाया गया है। जहां शहीद भाइयों के मूर्तियों की बेजान कलाइयों में आज राखी बांधकर बहनें रो पड़ी। हर साल की तरह आज रक्षाबंधन के दिन बहनें राखी के साथ मिठाई, हल्दी चावल और दीपक लेकर पहुंची थी। जहां भाइयों की मूर्तियों की कलाइयों में राखी बांधी और मस्तक पर तिलक लगाया। इस दौरान रोती बिलखती बहनों को देखकर आसपास का माहौल काफी गमगीन हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया शहीद युवा एर्राबोर, मरईगुड़ा और मुलाकिसोली गांव के थे। इन गांव की बहनें हर साल राखी के दिन यहां आती हैं और शहीद भाई को याद कर घंटो बिताती है। हरिभूमि से चर्चा में एर्राबोर के लोगों ने बताया कि उस दौरान युवाओं ने शांति लाने के लिए नक्सलियों से लड़ाई लड़ी थी।

विकास की मुख्यधारा में जुड़ने वाली बहनों को सुरक्षा सम्मान देने के लिए शासन प्रतिबद्धः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

सर्किट हाउस परिसर में शनिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष कार्यक्रम बेहद खास रहा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप को सुबह दंतेश्वरी फाइटर की कमांडों एवं आत्मसमर्पित माओवादी बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया। यह अनोखा आयोजन श्रद्धा, भाईचारे और विश्वास की मिसाल बना। इस मौके पर मंत्री द्वय ने कहा कि हम सब यहां एक ऐसे अद्भुत और प्रेरणादायी क्षण के साक्षी हैं, जहां हमारी बहनों ने नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर विकास की मुख्यधारा का मार्ग अपनाया है।

खबर संक्षेप

गांजा लेकर ओडिशा से यूपी जा रहे नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

जगदलपुर। ओडिशा की ओर से अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन की सूचना पर नगरनार पुलिस द्वारा बार्डर में ओडिशा से गांजा लाकर उतरप्रदेश जाने बस का इंतजार कर रहे दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। तस्करों के कब्जे से 2.34 लाख कीमत का 22.460 किलो गांजा व मोबाईल बरामद कर जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। गांजा तस्करी की सूचना पर एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी माहेश्वर नाग के निर्देश व सीएसपी सुमीत कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी नगरनार निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया था। टीम द्वारा ग्राम धनपुंजी मण्डी नाका एनएच 63 के पास खड़े दो लड़के जो अपने साथ ट्राली बैग तथा हैण्ड बैग के अंदर मादक पदार्थ गांजा रखकर ओडिशा से रायपुर की ओर जाने वाली बस का इंतजार कर थे7 पुलिस टीम को देखकर दोनों सहम गए और भागने लगे जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा गया।

विधानसभा जांच समिति के सवाल पर संचालनालय ने फूड इंस्पेक्टरों को घेरा

खाद्य विभाग ने पीडीएस घोटाले पर दो साल बाद जारी किया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पीडीएस घोटाले को लेकर विधानसभा की जांच समिति ने विभाग से सीधे पूछा है कि मामले के लिए किस स्तर का अधिकारी दोषी हैं। मामले में खाद्य संचालनालय ने मैदानी अमले से वर्ष 2021 से 2023 तक के तीन साल की अवधि के गड़बड़ी के मामले में दो साल बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया है। फूड इंस्पेक्टर को पूरे विकास खंड में कम पाए गए चावल के लिए नोटिस जारी किया गया है। कहा जा रहा है कि खाद्य संचालनालय से कोटा जारी हुआ उसके लिए वहां के अफसर ही जिम्मेदार हैं। मैदानी अमले को नोटिस जारी कर दोषी बताने की कार्यवाही पर रोष हैं।

खास खबर

खादय संचालक कार्तिकेय गोयल के हस्ताक्षर से जारी नोटिस में सभी जिलों के खाद्य अधिकारियों के लिए पत्र जारी किया गया है। संचालनालय की गलती को छिपाने के लिए मंत्रालय में पदस्थ अधिकारी ने 2021 जनवरी से 2023 दिसंबर के 36 महीने में खाद्य संचालनालय द्वारा राशन दुकानों के जांच का ब्यौरा के लिए कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। बताया जाता है कि राशन दुकानों में चावल के तीन-चार महीने के बचत स्टॉक की जानकारी फूड इंस्पेक्टर अपने मॉड्यूल से भर कर देते रहे। अधिकारी ने विभाग को मुख्यमंत्री कार्यालय का भय दिखाकर हर महीने सौ फीसदी कोटा जारी करवाते रहे। खाद्य विभाग के अधिकारी संघ ने कहा, जिन्हें राशन घोटाले के कारण संचालनालय से हटाया जाकर मंत्रालय भेज दिया गया है, वो संचालनालय के काम में दखलंदाजी कर रहे हैं।

सीएम और खाद्य मंत्री से मिलेंगे अफसर

खाद्य अमले का कहना है कि फूड इंस्पेक्टर का काम घोषणा पत्र में बचत चावल मात्रा की जानकारी देना है। कोटा देना, काटना संचालनालय की जिम्मेदारी है। अनेक जिलों के कलेक्टर ने लिखित रूप से चावल कोटा कम करने का लिखित पत्र भेजा, लेकिन संचालनालय के अधिकारी ध्यान नहीं दिया। खाद्य विभाग के अधिकारी संघ के माध्यम से मामले को लेकर मुख्यमंत्री और खाद्य मंत्री सहित सचिव व संचालक से मिलकर अपना पक्ष सामूहिक रूप से रखेंगे।

कितना चावल कम है इसका कोई विवरण नहीं

विधानसभा द्वारा गठित राशन घोटाले की जांच समिति के प्रश्न में घिरते खाद्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने मैदानी अमले को जिम्मेदार बताने का काम शुरू कर दिया है। खाद्य विभाग के सभी फूड इंस्पेक्टर को थोक में राशन दुकान जांच न करने और चावल की कमी की नोटिस मिलना शुरू हो गया है। खाद्य मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि विधान सभा जांच समिति ने घोटाले के लिए जिम्मेदार अधिकारी का नाम मांगा है।

बिना प्रकरण जारी नहीं हो सकता नोटिस

विधानसभा में खाद्य संचालनालय ने जानकारी में बताया है कि 7927 राशन दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 3278 राशन दुकानों के विरुद्ध आरआरसी जारी हो गई है। 602 राशन दुकान निलंबित और 671 दुकान निरस्त किए जाने की जानकारी विधानसभा में दिया गया है। मामले में बताया गया कि बिना प्रकरण बने कारण बताओ नोटिस जारी नहीं किया जा सकता ।

इको वाहन की ठोकर से राखी बांधने आ रहे दंपति की मौत दो साल की बच्ची गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाण्डुका

पाण्डुका/जतमई मार्ग पर सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन इस मार्ग पर हर सप्ताह एक-दो घटनाएँ हो रही हैं, जिनमें लोग अपनी जान गँवा रहे हैं। सड़क चौड़ीकरण से जहाँ सुविधा मिली है, वहीं तेज रफ्तार और नशे में गाड़ी चलाने का कहर जारी है।

ऐसा ही कुछ रक्षाबंधन के दिन रजनकटा और पाण्डुका के बीच देखने को मिला, जहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक सवार दंपति की मौत हो गई, जबकि उनकी 2 साल की बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान धमतरी जिले के बारना गांव निवासी मनोज पटेल (30 वर्ष) और उनकी पत्नी मनीषा पटेल (27 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दंपति धमतरी के बारना गांव से रायपुर के माना गए थे, और वहां से मनीषा पटेल अपनी भाई को राखी बांधकर अपने पति के साथ खट्टी गांव में पति की बहन को राखी बंधवाने आ रहे थे। तभी एक इको वाहन ने दो मोटर साइकिल सवारों को टक्कर मारी। पहला व्यक्ति अतरमरा का बताया जा रहा है, और उसके बाद इको वाहन ने इस दंपति को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक सवार दंपति पति-पत्नी बहुत दूर खेत में जा गिरे। इको वाहन चालक वाहन को वहीं घटनास्थल पर छोड़कर भाग निकले।

छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा की ऐतिहासिक क्रांति

हर घर बनेगा बिजलीघर

डबल सब्सिडी

छत्तीसगढ़ अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में 'हर घर बिजलीघर' की परिकल्पना को साकार करने की ओर तेजी से बढ़ चला है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। इस ऐतिहासिक पहल से छत्तीसगढ़ में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की शुरुआत मानी जा रही है, जो न केवल पर्यावरण संरक्षण बल्कि रोजगार और सतत विकास को भी नई दिशा देगा।

हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पात्र उपभोक्ताओं के घरों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किए जाएंगे। इससे प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। यही नहीं, अतिरिक्त बिजली उत्पादन होने पर उपभोक्ता उसे ग्रिड को बेचकर अतिरिक्त आमदनी भी कमा सकेगा।

डबल सब्सिडी का मिलेगा लाभ

योजना में 1 किलोवॉट से 3 किलोवॉट तक के सौर संयंत्र पर केंद्र सरकार के साथ-साथ छत्तीसगढ़ सरकार भी सब्सिडी दे रही है। उपभोक्ताओं को प्रति वॉट 45,000 रुपए से लेकर अधिकतम 1 लाख 8 हजार तक की सहायता सीधे बैंक खातों में मिलेगी। लोगों को डबल सब्सिडी का सीधा लाभ प्राप्त होगा।

स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण

छत्तीसगढ़ सरकार जीरो कार्बन एमिशन नीति को साकार रूप देने के लिए स्वच्छ ऊर्जा को प्राथमिकता दे रही है। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 15 प्रतिशत ग्रीन एनर्जी का उत्पादन हो रहा है। इसे बढ़ाकर सरकार ने वर्ष 2047 तक 45 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आएगी। यह नीति न केवल वर्तमान, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी हरित और स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित करेगी।

योजना के फायदे

- 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली हर महीने
- बिजली बेचने पर अतिरिक्त आमदनी
- बिजली कटौती से मुक्ति, निरंतर आपूर्ति
- पर्यावरण हितैषी, हरित जीवनशैली को बढ़ावा

सौर ऊर्जा से संवरते सपने

प्रदेश में हर छत, अब ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बनेगी

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल राज्य को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाएगी। आम जनता के जीवन में ऊर्जा के नए युग की शुरुआत करेगी। हर छत अब ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बनेगा और छत्तीसगढ़ जल्द ही हरित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित होगा।

- विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री
(छत्तीसगढ़ शासन)

अंजली को मिली राहत, आधा हुआ बिजली बिल

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पूरे देश की तरह बिलासपुर जिले के लोगों के लिए भी फायदेमंद साबित हो रही है। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि महंगाई के इस दौर में भारी भरकम बिजली बिल से भी राहत मिल रही है। जिला बिलासपुर की अशोक नगर निवासी अंजली सिंह ने अपनी छत पर 3 किलोवाट का सोलर प्लांट स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि इस सोलर प्लांट की कुल लागत 1 लाख 85 हजार रुपये आई। इसमें से केंद्र सरकार से 78 हजार रुपए की सब्सिडी भी मिली है। श्रीमती सिंह ने बताया कि सोलर प्लांट लगाने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल ढाई से 3 हजार रुपए तक आता था, लेकिन अब उनका बिजली आधा हो गया है। इससे उन्हें आर्थिक रूप से बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच से अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है इस योजना में अब राज्य सरकार भी केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचा रही है।

सोलर प्लांट क्षमता	केंद्र सरकार की सब्सिडी	राज्य सरकार की सब्सिडी	कुल सहायता राशि	आसान मासिक EMI
1 kW	₹30,000	₹15,000	₹45,000	₹167
2 kW	₹60,000	₹30,000	₹90,000	₹333
3 kW	₹78,000	₹30,000	₹1,08,000	₹800

*बैंक द्वारा 6% ब्याज दर पर आसान किश्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा (ई.एम.आई.) उपलब्ध

युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के द्वार

सौर ऊर्जा योजना से न केवल बिजली उत्पादन होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्व-रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। सोलर पैनल के निर्माण, स्थापना और रख-रखाव में युवाओं के लिए प्रशिक्षण और कार्य के अवसर बढ़ेंगे, जिससे राज्य की आर्थिक गतिविधियों में भी गति आएगी।

रायपुर
रविवार, 10 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
वर्ष: 24, अंक: 25
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य: 5.00**

मौसम
अधि. 33.0
न्यून. 24.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

09 न्यूजीलैंड ने दर्ज की इतिहास की तीसरी...

विचार पेज
04 भारत के लिए ट्रेडकूटनीति का मौका

किसान के बेटे को मिला क्रिकेटर पाटीदार का नंबर, विराट-एबी डिविलियर्स के आए कॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

अलग खबर

क्रिकेट के मैदान में जितने रोमांचक किस्से बनते हैं। कभी-कभी उतने ही दिलचस्प किस्से मैदान के बाहर भी घट जाते हैं। गरियाबंद जिले के माड़ागांव में एक साधारण किसान के बेटे को गलती से भारतीय क्रिकेटर रजत पाटीदार का पुराना मोबाइल नंबर अलॉट हो गया। इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे गांव को चौंका दिया विराट कोहली, यश दयाल और एबी डिविलियर्स जैसे क्रिकेट सितारों के फोन आने लगे। माड़ागांव निवासी 21 वर्षीय मनीष बीसी ने 28 जून को देवभोग के बीसी ▶▶|शेष पेज 7 पर

विराट-एबी डिविलियर्स के फोन ने किया हैरान

सिर्फ दो दिन बाद ही अनजान कॉल आने लगे। कॉल करने वाले खुद को विराट कोहली, यश दयाल और एबी डिविलियर्स बता रहे थे। क्रिकेट प्रेमी मनीष और खेमराज को लगा कि दोस्त मजाक कर रहे हैं, लेकिन कॉल करने वाले लगातार उन्हें 'रजत पाटीदार' कहकर पुकारते रहे।

माड़ागांव के दो दोस्तों को मिली क्रिकेटर वाली किस्मत

खुद रजत पाटीदार का आया कॉल, सिम लौटाया

लगभग 15 जुलाई को खुद रजत पाटीदार ने मनीष को कॉल कर सिम वापस करने का अनुरोध किया। पहले इसे भी मजाक समझा गया, लेकिन कुछ ही देर बाद पुलिस पहुंची तो मामला साफ हो गया। युवकों की सहमति से सिम पुलिस को सौंपा गया और बाद में क्रिकेटर के पते पर भेज दिया गया।

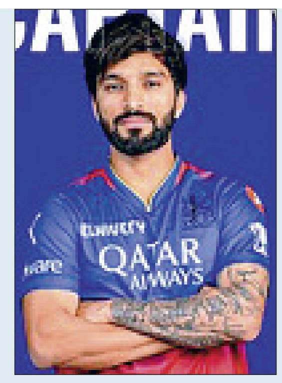

दोस्तों के लिए यादगार लम्हा

गांव की किराना दुकान चलाने वाले 22 वर्षीय खेमराज और किसान पुत्र मनीष के लिए यह घटना जिंदगीभर की याद बन गई। खेमराज, जो विराट कोहली का फैन है। अपने क्रिकेट आइडल से सीधे बात करने पर बेहद खुश है। दोनों ने कहा कि चाहें तो सिम अपने पास रख सकते थे, लेकिन खिलाड़ियों और पुलिस के अनुरोध पर इसे लौटा दिया। गांव के लोग अब इस घटना को 'क्रिकेटर वाली किस्मत' कहकर पुकार रहे हैं।

क्यों हुआ ऐसा : देवभोग थाना प्रभारी फैजुल शाह होदा ने बताया कि रजत पाटीदार का यह नंबर 90 दिनों तक बंद रहा था। टेलीकॉम कंपनी के नियम अनुसार, लंबे समय तक निष्क्रिय रहने पर नंबर दोबारा अलॉट किया जा सकता है। इस मामले में मध्य प्रदेश साइबर सेल ने मनीष के पिता से संपर्क कर सिम वापस करने का अनुरोध किया।

खबर संक्षेप

सरकार ने संस्कृत को लोकप्रिय बनाने किए अनेक प्रयास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विश्व संस्कृत दिवस पर अपने संदेश में कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में इस प्राचीन भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत ज्ञान और अभिव्यक्ति का एक शाश्वत स्रोत है।

कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान दो जवान शहीद, दो घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ रातभर हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए और दो घायल हो गए। यह मुठभेड़ शनिवार को नौवें दिन भी जारी है। दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में एक जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक अगस्त को अभियान शुरू किया गया है।

पायलट प्रशिक्षण विमान आपात स्थिति में उतरा

पुणे। बारामती हवाई अड्डे के पास पायलट को प्रशिक्षण देने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक विमान आपात स्थिति में उतरा। इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ। यह घटना उस समय हुई जब 'रेडबर्ड फ्लाइट ट्रेनिंग सेंटर' का विमान प्रशिक्षण उड़ान के बाद उतर रहा था।

नागपुर के कोराड़ी देवी मंदिर हादसे में 17 घायल

नागपुर। कोराड़ी देवी मंदिर परिसर में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। मंदिर के निर्माणाधीन गेट का हिस्सा अचानक ढहने से 17 मजदूर घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान शुरू किया।

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने तीन महीने बाद किया खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर : हवा में खाक हो गए पाकिस्तान के 5 फाइटर जेट

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने की पुष्टि की है। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यहां एयर चीफ मार्शल एल.एम. कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण के दौरान कहा, हमें उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी तथा कुछ एफ-16 विमानों के होने का संकेत मिला है, जिनका वहां रखरखाव किया जा रहा है। हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या फिर एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया।

सिंह ने कहा, यह वास्तव में सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जो हमने हासिल किया है। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें ▶▶|शेष पेज 7 पर

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर में सेना की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस-400 ने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू और एक बड़ा विमान मार गिराया। हमारी वायु रक्षा प्रणालियों ने शानदार काम किया है। इसमें एस-400 एक गेम-चेंजर साबित हुआ। उस प्रणाली की रेंज ने वास्तव में पाकिस्तान के विमानों को दूर रखा। पाकिस्तान के विमान हमारी वायुरक्षा प्रणाली को भेदने में सक्षम नहीं थे।

- एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई
- पाकिस्तानी विमान को 300 किमी दूर से गिराया

भारतीय सेंसर ने पाक विमानों को किया ट्रैक : पाकिस्तानी वायुसेना ने इलाके में छिपने या इलेक्ट्रॉनिक काउंटर मेजर्स का इस्तेमाल करके बचने की कोशिश की। लेकिन, भारतीय रडार और सेंसर ने उन्हें ट्रैक करना जारी रखा।

तीन महीने बाद क्यों हुआ खुलासा : भारत हमेशा जांच और संतुलन बनाए रखता है। मारे गए विमानों की जानकारी तब तक नहीं दी जाती, जब तक खुफिया जानकारी पूरी तरह से न मिल जाए। इससे सूत्रों और तरीकों को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।

एस-400 की खासियत

- रडार रेंज: 600 किमी तक लक्ष्य की पहचान
- मिसाइल रेंज: 40 किमी से 400 किमी तक विभिन्न प्रकार की मिसाइलें
- एक साथ कितने टारगेट को भेदने की क्षमता (पूर्ण प्रणाली): 80
- एक साथ निर्देशित मिसाइलों की संख्या (पूर्ण प्रणाली): 160
- बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज मिसाइलें, लड़ाकू विमान, और ड्रोन को कर सकता है नष्ट कर सकता है।
- एस-400 प्रणाली को केवल 5 से 10 मिनट में तैनात किया जा सकता है

एनएसए डोभाल की रही महत्वपूर्ण भूमिका

एयर चीफ मार्शल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिससे अन्य एजेंसियों और सुरक्षा बलों को एक साथ लाने में मदद मिली।उन्होंने बताया कि जब अभियान शुरू हुआ, तो सैन्य प्रमुखों ने इसके संभावित परिणामों और भारत को कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए, इस पर विस्तार से चर्चा की।

अभियान में मिली यह सीख

'ऑपरेशन सिंदूर' से मिली सीख के बारे में सिंह ने कहा, इस अभियान की सबसे बड़ी सीख यह रही है कि हवाई युद्ध की प्रधानता एक बार फिर सामने आई है। लोगों को यह एहसास हो गया है कि हवाई युद्ध किसी भी देश की पहली प्रतिक्रिया है और हवाई युद्ध वास्तव में त्वरित प्रतिक्रिया दे सकता है, सटीकता के साथ अंदर तक हमला कर सकता है और बिना अनावश्यक नुकसान के अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है।

नेवई दशहरा मंच के पास डबल मर्डर

पिता को मारा थप्पड़ बेटे ने दो बदमाशों की कर दी हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नेवई थाना अंतर्गत दशहरा मंच के पास बीती रात आपसी रंजिश के कारण निखिल भारती नामक युवक ने दो अन्य युवकों को मौत के घाट उतार दिया। दोनों मृतक पुरानी निगरानीशुदा बताए गए हैं, जिनके विरुद्ध थानों में पहले से हत्या और मारपीट के अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी निखिल के पिता वेदराम से मृतक गौरव कोसरिया और चिंतामणि उर्फ डब्बू साहू के झगड़ा हुआ था। इस दौरान मृतक ने वेदराम को थप्पड़ जड़ दिया था। इसका बदला लेने के लिए आरोपी निखिल मौके पर पहुंचा, ▶▶|शेष पेज 7 पर

दो युवकों के पेट पर चाकू से वार

आरोपी निखिल भारती ने दोनों युवकों के पेट में चाकू से गंभीर वार किया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम रवाना होने वाली थी। तभी 2 अन्य युवक घायल डब्बू को बाइक से लहूलुहान हालत में थाना लाए। डब्बू के पेट में चाकू से गंभीर चोट थी। पुलिस ने आरोपी दशहरा मैदान नेवई निवासी निखिल पिता वेदभारती को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से नेवई थाना क्षेत्र में सनसनी का माहौल है।

पुरानी रंजिश बनी हत्या की वजह

पुलिस ने बताया कि आरोपी निखिल भारती के पिता वेदराम भारती का विवाद मृतक गौरव, चिंतामणि के साथ था। दोनों नेवई थाने के अपराधी रहे हैं, जबकि गौरव नाबालिग काल में हत्या के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। चिंतामणि के कई मारपीट का मामला नेवई थाने में दर्ज है। आरोपी हार्डवेयर दुकान में काम करता था। तीन दिन के पुरानी रंजिश के चलते ही निखिल ने आक्रोश में आकर दोनों युवकों की हत्या कर फरार हो गया था। पुलिस ने सुपेला क्षेत्र से निखिल को पकड़ा है।

लकड़ी तस्करों ने किया युवक का अपहरण, मांगी 3 लाख की फिरौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर/वाड्रफनगर

जिले में सक्रिय लकड़ी तस्कर अब अपहरण जैसी वारदातों को अंजाम देने में उतर आए हैं। इस बात का खुलासा बसंतपुर पुलिस की कार्रवाई से हुआ है। पुलिस ने यूपी के बीजपुर से एक युवक को सकुशल बरामद करने में सफलता हासिल की है। मुखबिरी के शक पर तस्करों ने युवक का अपहरण किया था और 3 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने इस मामले में दो ▶▶|शेष पेज 7 पर

- युवक सकुशल बरामद, मुखबिर की शंका पर दिया वारदात को अंजाम

पुलिस ने यूपी के बीजपुर से किया गिरफ्तार

मोबाइल टावर के पैनल रूम में छिपाया था

बसंतपुर वाड्रफनगर की पुलिस टीम यूपी के बीजपुर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने लोकेशन के आधार पर एक मोबाइल टावर के पैनल रूम से विजय मरकाम को बरामद किया। युवक को मोबाइल टावर के पैनल रूम में बंधक बनाकर रखा गया था। इस दौरान आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट की थी।

पहाड़ी कोरवा की जमीन हथियाने आत्महत्या के लिए किया मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

पहाड़ी कोरवा ग्रामीण की जमीन हड़पने और प्रताड़ति कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में फरार प्रमुख आरोपी विनोद अग्रवाल उर्फ मघु को सुप्रीम कोर्ट से भी बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका को खारिज कर दी है। बड़ी बात यह है कि एसपी बलरामपुर ने आरोपी के खिलाफ एलओसी जारी किया हुआ है, जिसके बाद विनोद अग्रवाल कहीं भी फरार ▶▶|शेष पेज 7 पर

- जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

जारी किया गया है एलओसी

आरोपी विनोद अग्रवाल की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज हुई है। हम उसकी तलाश कर रहे हैं। आरोपी पर दस हजार का इनाम है और लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया है। उसके पास भागने के लिए ज्यादा रास्ते नहीं हैं।

- वैभव बैंकर रमनलाल, एसपी

आईसीआईसीआईआई बैंक में मिनिमम 50000 बैलेंस जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आईसीआईसीआईआई बैंक ने एक अगस्त या उसके बाद खोले जाने वाले नए बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की अनिवार्यता पांच गुना बढ़ाकर 50,000 रुपए कर दी है। आईसीआईसीआईआई बैंक के ग्राहकों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक बचत बैंक खातों में न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) 10,000 रुपये थी।

- ग्रामीण खातों भी 2500 की जगह 10 हजार रखना होगा

1 अगस्त से नया नियम

यह नया नियम सिर्फ एक अगस्त 2025 के बाद खोले गए खातों पर लागू होगा। पुराने खाताधारकों के लिए फिलहाल पुरानी राशि सीमा ही लागू रहेगी। सैलरी अकाउंट, प्रधानमंत्री जनधन खाते और बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट धारकों को इस नियम से छूट मिलेगी क्योंकि ये जीरो बैलेंस खाते हैं। जिन ग्राहकों के खाते में तय सीमा से ज्यादा राशि होगी, उन्हें कुछ खास सुविधाएं मिलेंगी।

बहन की पिछले साल हो गई थी मौत

दुनिया से चले जाने के बाद भी बहन के 'हाथों' ने बांधी भाई की कलाई पर राखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रक्षाबंधन का त्यौहार सभी भाई-बहनों के लिए बहुत ही खास होता है। 16 साल की अनमता अहमद जब शिवम मिस्त्री की कलाई पर राखी बांध रही थी, तो वहां उपस्थित हर एक व्यक्ति की आंखें नम थी। दोनों एक दूसरे को बहुत ही प्यार और अपनेपन से देख रहे थे, मानो उनका सालो पुराना रिश्ता हो। इन दोनों भाई-बहनों का नाता खून का नहीं, बल्कि ▶▶|शेष पेज 7 पर

अंगदान से अनामता को मिला हाथ

इस तरह हुई रिया की मौत

दो साल बाद सितंबर महिने में वलसाड में चौथी कक्षा की छात्रा रिया बीमार पड़ गई। उसे 15 सितंबर को सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती कराया। सीटी स्कैन से पता चला कि रक्तस्राव के कारण उसकी ब्रेन डेड हो गया था, जिसके बाद रिया का पूरा परिवार स्तब्ध रह गया। उसी दौरान डोनेट लाइफ एनजीओ ने रिया के परिवार से संपर्क किया और उन्हें अंगदान की सलाह दी, जिसके बाद वे उसके अंगदान के लिए राजी हो गए।

कोलकाता रेप-मर्डर केस का एक साल पूरा

प्रदर्शन, लाठी चार्ज, हंगामा

कोलकाता। कोलकाता, पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की महिला डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या को एक साल पूरा हो चुका है और अब इस पर पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है। मामले में पीड़िता के परिवार ने जहां सीबीआई जांच पर गंभीर सवाल उठाते हुए एजेंसी को बंद करने की मांग की, वहीं भाजपा ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। पुलिस ने भाजपा नेताओं को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए। नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी, विधायक अग्निमित्र पॉल समेत 20 विधायक और अन्य प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स हटाने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। पॉल ने कहा कि एक साल हो गया है लेकिन 'अभया' को न्याय नहीं मिला है। यह रैली ममता बनर्जी के खिलाफ है। उन्होंने सारे सबूत मिटा दिए हैं। हम उनके इस्तीफे की मांग करते हैं।

ममता सरकार के खिलाफ भाजपा व डाक्टरों ने किया प्रदर्शन

पुलिस से झड़प में विक्टिम की मां के सिर में गंभीर चोट

मुझे धक्का दिया और जमीन पर गिराया

पीड़ित की मां ने आरोप लगाया कि राज्य सचिवालय तक मार्च के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने दावा किया- 'पुलिस ने मुझे धक्का दिया और जमीन पर गिरा दिया। चार-पाँच पुलिसकर्मियों ने मेरे साथ मारपीट की और चूड़ियां तोड़ दीं। मेरे माथे पर चोट आई।'

खबर संक्षेप

निशिकांत को पुलिस ने नहीं किया अरेस्ट

देवघर। श्रावणी मेले में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जबरन निकास द्वार से घुसकर जलार्पण करने को लेकर गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे और दिल्ली सांसद मनोज तिवारी समेत पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में गोड्डा सांसद निशिकांत बाबा मंदिर थाना गिरफ्तारी देने पहुंचे। यहां पुलिस और सांसद के बीच बातचीत हुई। पुलिस ने सांसद दुबे को गिरफ्तार नहीं किया। थाने से बाहर निकलने के बाद सांसद दुबे ने कहा कि पुलिस ने मुझसे कहा कि मामले को एमपी-एमएलए कोर्ट को भेजा गया है। वहां स्वीकार नहीं हुआ है। वहां स्वीकार होने के बाद जिन धाराओं में केस हुआ है, उसके आधार सेक्शन 41 के तहत शिकायतकर्ता को तीन बार नोटिस भेजा जाएगा। इसके बाद अगर कोई संभावना बनेगी तब गिरफ्तारी की जाएगी।

दिल्ली में भारी बारिश से दीवार गिरी, 8 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हो रही जबरदस्त बारिश के बीच राजधानी के जैतपुर इलाके के हरि नगर में एक इमारत की दीवार ढह गई है। दीवार ढहने से अब तक कुल 8 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंचे और उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। दीवार गिरने की यह घटना सुबह 9 बजे के आसपास हुई और आठ लोग इसके नीचे दब गए। मलबे के नीचे दबे लोग बेहद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मृतकों की पहचान रुखसाना (7), हसीना (7), रबीबुल (27), रुबीना (25), सफीकुल (27), मुत्तुस (50) और डॉली (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हसीबुल (25) का सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। एडिशनल डीसीपी साउथ ईस्ट ऐश्वर्या शर्मा ने बताया, 'यहां एक पुराना मंदिर है और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां हैं, जहां कबाड़ी रहते हैं।

नागासाकी में परमाणु हमले की 80वीं बरसी पर कार्यक्रम

नागासाकी। जापान के नागासाकी में अमेरिका द्वारा किए गए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और हमले में जीवित बचे लोग इस दिशा में काम कर रहे हैं कि दुनिया के किसी भी हिस्से को इस तरह के हमले का सामना न करना पड़े। जख्मों, भेदभाव और विकिरण से होने वाली बीमारियों की पीड़ा बावजूद हमले से बचे लोगों ने परमाणु हथियारों को खत्म करने के साझा लक्ष्य के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि शनिवार को जहां एक तरफ इस हमले की बरसी मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर दुनिया विपरीत दिशा में जा रही है। अमेरिका ने नौ अगस्त 1945 को नागासाकी पर परमाणु बम गिराया था।

यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिखाया था ईपिक नंबर, साधा था निशाना

तेजस्वी ने सौंपे दो वोटर आईडी, चुनाव आयोग से पूछा, कैसे बने 2 एपिक नंबर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दो वोटर आईडी मामले में चुनाव आयोग को लिखित जवाब सौंप दिया है। इसकी जानकारी राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने दी। उन्होने कहा कि अब फैसला चुनाव आयोग को लेना है। अब तो दो वोटर आईडी के सैकड़ों उदाहरण सामने आ गए हैं। अब आयोग को देखना है कि कैसे दो ईपिक बने।

राजद नेता मनोज झा ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव आयोग में बहुत अहंकार है। अहंकार और अज्ञानता चुनाव आयोग की पहचान बन गई है। चुनाव आयोग को फ़ैसला लेने से पहले अपने पूर्ववर्तियों को देखना चाहिए। वरना चीजें बांग्लादेश चुनाव आयोग की स्थिति जैसी दिशा में बढ़ रही हैं।

तेजस्वी ने 2 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि वोटर लिस्ट में उनका नाम ही नहीं है और ऐसे में वह चुनाव कैसे लड़ेंगे लेकिन चुनाव आयोग ने उनके दावे को खारिज कर दिया था और सबूत के साथ बताया था कि तेजस्वी यादव का नाम वोटर लिस्ट में 416वें नंबर पर है। इस तरह तेजस्वी के दो वोटर आईडी प्रकाश में आ गए थे।

राजद ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव आयोग में बहुत अहंकार है

इस ईपिक नंबर को आयोग फर्जी करार दिया था

आयोग ने कहा था- फर्जी

*मामले के सामने आने के बाद आयोग ने तेजस्वी के पीसी वाले ईपिक नंबर को फर्जी करार देकर राजद नेता को नोटिस जारी कर दिया था। ईआरओ का कहना था, चुनाव आयोग के द्वारा इस ईपिक नंबर को कभी जारी ही नहीं किया गया। उसने कई सालों के चुनावी डेटाबेस से इस कार्ड का मैच किया लेकिन इपिक कार्ड संख्या **RAB**2916120 चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में नहीं है। ईआरओ ने नोटिस में लिखा, 'ऐसा लगता है कि 2 अगस्त की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिखाया गया इपिक नंबर **RAB**2916120 फर्जी है और जाली सरकारी दस्तावेज बनाना और उसका उपयोग करना कानूनी अपराध है।' नोटिस में कहा गया है कि आरजेडी नेता से यह अनुरोध है कि इस कार्ड को 16 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे तक ईआरओ के कार्यालय में जमा कर दें।*

चुनाव से पहले 334 दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इलेक्शन कमीशन ने बड़ा कदम उठाया है। चुनाव आयोग ने शनिवार को 334 राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। सूची से हटाए गए दल चुनाव लड़ने के लिए अपने उम्मीदवार नहीं उतार सकते। आयोग ने बताया कि गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं।

अब देश में 2520 राजनीतिक दल बचे

आयोग का दावा है कि इन सभी दलों के कार्यालय भी नहीं थे। ये दल सिर्फ कागजों पर चल रहे थे। साथ ही ये 2019 से 6 साल तक एक ही चुनाव लड़ने की अनिवार्य शर्त को पूरा नहीं कर सके थे, जबकि इसके लिए इन सभी दलों से कई बार कहा गया था। चुनाव आयोग के इस कदम के बाद अब देश में 2520 राजनीतिक दल बचे हैं। मौजूदा समय में 6 राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया राजनीतिक व्यवस्था में सुधार और उन दलों को सूची से हटाने के उद्देश्य से की गई है जिन्होंने 2019 के बाद से किसी भी लोकसभा, राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा या उपचुनाव में भाग नहीं लिया है।

ट्रंप के पूर्व एनएसए ने दी चेतावनी

भारत पर टैरिफ, अमेरिका की बड़ी भूल...होगा उल्टा असर

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि ट्रम्प की नीतियों से भारत, अमेरिका से दूर होता जा रहा है। सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने के फैसले को 'भारी भूल' बताया।

बोल्टन ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है।

पूर्व एनएसए ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें।

हिंदुस्तान भारत हमसे दूर होकर चीन-रूस के पास जा रहा

बढ़ा नुकसान का खतरा

उनके मुताबिक, 'दोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगाने' से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे, और बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है।

दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना 'गलती'

ट्रंप ने इस सप्ताह भारत के ऊपर टैरिफ बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। ट्रंप की कोशिश भारत को उसके पुराने सहयोगी रूस से दूर करने की थी, लेकिन असलियत में उनके इस कदम ने नई दिल्ली और वॉशिंगटन के 25 वर्षों में बने सबंधों में दरार पैदा कर दी है। बोल्टन बोले- भारत दोस्त है और चीन दुश्मन। दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना 'गलती' जॉन बोल्टन ने पहले भी अमेरिकी अखबार द हिल में लिखा था कि व्हाइट हाउस टैरिफ और अन्य शर्तों में चीन के प्रति भारत से ज्यादा नरमी दिखा रहा है, जो कि एक गंभीर गलती होगी।

विवादित जमीन पर कॉरिडोर बनाने पर सहमति

ट्रंप ने आर्मेनिया-अजरबैजान की 37 साल पुरानी जंग खत्म कराई

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच चल रही 37 साल पुरानी जंग खत्म करा दी है। इसको लेकर वे पिछले कई दिनों से लगे हुए थे। शुक्रवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप ने दोनों देशों के नेताओं के साथ मुलाकात की थी। आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव व्हाइट हाउस में एक आधिकारिक शांति समझौते पर भी साइन किए।

6 देशों की लड़ाई रुकवाने का ट्रंप ने किया दावा : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही रूस और यूक्रेन जंग रुकवाने की कोशिश में लगे हुए हैं। हालांकि इस काम में उन्हें सफलता मिलती नहीं दिखाई दे रही है। तो वहीं दूसरी तरफ वे अपने दूसरे कार्यकाल में 6 देशों के बीच जंग रूकवाने का दावा कर चुके हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान, इजराइल-ईरान, थाईलैंड-कंबोडिया, रवांडा- कांगो, सर्बिया-कोसावो और मिस्र-इथियोपिया विवाद सुलझाने की बात कही है।

'महाराष्ट्र में मिली थी 160 सीटें जिताने की गारंटी'

एजेंसी ⏭ मुंबई

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो व्यक्तियों ने नई दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी।

उन्होंने 288 में से 160 निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष की जीत की गारंटी दी थी। नागपुर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने दोनों व्यक्तियों को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलवाया। शरद पवार ने यह खुलासा ऐसे समय में किया है, जब राहुल ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दावा किया, 'महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले नई दिल्ली में दो लोग मुझसे मिले थे। उन्होंने विपक्ष (महा विकास आघाडी) को 288 में से 160 सीटें जीतने में मदद की गारंटी दी।' एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने कहा, 'मैंने उन्हें राहुल गांधी से मिलवाया। उन्होंने (राहुल ने) उन दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे नजरअंदाज कर दिया।

शरद पवार का दावा, दो लोग मिले थे राहुल से मिलवाया था

भाजपा ने विधानसभा चुनावों में 132 सीटें जीतीं

पवार ने दावा किया कि चूंकि दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे उन्होंने बहुत तवज्जो नहीं दी। इसलिए उन्होंने उनका नाम और संपर्क ब्योरा नहीं रखा। मालूम हो कि भाजपा ने विधानसभा चुनावों में 132 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने क्रमशः 57 और 41 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। विपक्षी गठबंधन 'महा विकास आघाडी' ने अपनी हार के लिए ईवीएम में गड़बड़ी और डेटा में छेड़छाड़ को जिम्मेदार ठहराया था। महा विकास आघाडी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 में से 30 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी।

बारिश के चलते 3 अगस्त को रोकी गई थी यात्रा

छड़ी मुबारक अमरनाथ गुफा पहुंची, भक्तों ने किए अंतिम दर्शन

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा का समापन शनिवार को छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने के साथ हुआ। पारंपरिक तरीके से महंत दीपेंद्र गिरि की अगुआई में सैकड़ों साधुओं के साथ विशेष पूजा की गई, इसके बाद भक्तों को साल के अंतिम दर्शन कराए गए। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से 3 अगस्त से ही रोक दी गई थी। इस साल 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन किए, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।

पवित्र यात्रा का हुआ समापन

यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। इस दौरान सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई थी। इस बार यात्रा केवल 1 महीना ही चल पाई। यात्रा के दौरान लगभग 50,000 सीआरपीएफ जवान तैनात किए गए थे।

महादेव का प्रतीक है छड़ी मुबारक

छड़ी मुबारक को महादेव का प्रतीक माना जाता है और यह एक बेहद महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा से जुड़ी हुई है। इस चांदी की छड़ी को दिव्य और शक्तिशाली माना जाता है, क्योंकि मान्यता है कि इसमें भगवान शिव की अलौकिक शक्तियाँ विद्यमान हैं। कहा जाता है कि महर्षि कश्यप ने यह पवित्र छड़ी भगवान शिव को एक विशेष आदेश के साथ सौंपी थी- कि हर वर्ष इसे अमरनाथ लाया जाए। तभी से यह परंपरा चली आ रही है, और भक्त इस छड़ी को गहरी श्रद्धा और आस्था के साथ पूजते हैं।

सैन्य-तकनीकी संबंधों पर चर्चा रूसी उप-प्रधानमंत्री से मिले अजीत डोभाल

एजेंसी ⏭ मॉस्को

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा, ''इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।

यात्रा के मायने : डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Punjab & Sind Bank (A Govt. of India Undertaking)
जहाँ सेवा ही जीवन-ध्येय है
अंचलः द्वितीय तल, सीआई स्क्वायर के पास, नयापुरा, कोलार रोड, अकबरपुर, मेन कोलार रोड, भोपाल -462042 फोन : 0755-4249988, 4243700, 4203836
पंजाब एण्ड सिंध बैंक निम्नलिखित स्थान पर शाखा हेतु कमर्शियल परिसर जो भूतल पर स्थित हो लीज आधार पर कम से कम 15 वर्ष हेतु आवेदन आमंत्रित करता है :-

स्थान	कारपेट क्षेत्रफल
दुर्ग	1000-1200 वर्गफिट
खैरागढ़, जिला- गंडई	1000-1200 वर्गफिट
अमनपुर, जिला-रायपुर	1000-1200 वर्गफिट

विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट www.punjabandsindbank.co.in देखें।
आंचलिक प्रबंधक, भोपाल

'चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं तो राहुल और प्रियंका'

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। भाजपा ने एक बार फिर शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। पार्टी ने चुनाव आयोग पर लगाये गए आरोपों को लेकर राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है तो उन्हें लोकसभा से इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपने 'वोट चोरी' वाले आरोप पर कोई लिखित बयान नहीं दिया। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता में यह कहते हुए सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी इस्तीफे की मांग की कि कांग्रेस चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाकर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर रही है।

'सीसीटीवी कैमरे बंद किए, 62 हार्ड डिस्क तोड़कर नदी में फेंक दी'

हैदराबाद। तेलंगाना की राजनीति में इस बात को लेकर शोर मचा हुआ है कि के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की सरकार के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं की बड़े पैमाने पर जासूसी और निगरानी की गई थी। एक अंग्रेजी अखबार ने इस मामले में लगातार कई रिपोर्ट्स प्रकाशित की हैं। इस मामले में ताजा और बड़ी जानकारी यह है कि 4 दिसंबर 2023 की रात, 8:34 बजे से 9:34 बजे के बीच, हैदराबाद में स्थित तेलंगाना की स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच (एसआईबी) के सीसीटीवी कैमरों को बंद कर दिया गया था। इस एक घंटे के दौरान 62 हार्ड डिस्क को तोड़कर नदी में फेंक दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि 3 दिसंबर, 2023 को ही तेलंगाना विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे।

बीआरएस सरकार के कार्यकाल में हुई जासूसी

पूरा मामला यह है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के कार्यकाल के दौरान (2014–2023) में एसआईबी ने करीब 600 लोगों के फोन टैप किए और निगरानी की। जिन लोगों की निगरानी की गई उनमें विरोधी राजनीतिक दलों के नेताओं के अलावा, ब्यूरोक्रेट्स, बिजनेसमैन, हाई कोर्ट के जज, उनके लाइफ पार्टनर, ड्राइवर और बचपन के दोस्त भी शामिल हैं। इसके पीछे मकसद विधानसभा चुनाव में बीआरएस को जीत दिलाना और विरोधियों पर नजर रखना था। राज्य में कांग्रेस की सरकार आने के बाद इस मामले की जांच हैदराबाद पुलिस कर रही है।

JOIN INDIAN NAVY

Online applications are invited from **unmarried men & women candidates,** to join as **Short Service Commission Officer**

(Course commencing **June 2026** onwards at Indian Naval Academy, Ezhimala, Kerala)

Branch/Cadre	Vacancies*	Gender
Executive Branch {GS (X)/Hydro Cadre}	57 (including 05 Hydro)	Men and Women (maximum of 06 Vacancies in GS (X) and 02 Vacancy in Hydro, for women)
Pilot	24	Men and Women (maximum of 03 vacancies for women)
Naval Air Operations Officer (Observers)	20	Men and Women (maximum of 03 vacancies for women)
Air Traffic Controller(ATC)	20	Men and Women
Logistics	10	Men and Women (maximum of 01 vacancy for women)
Naval Armament Inspectorate Cadre (NAIC)	20	Men and Women
Law	02	Men and Women
Education	15	Men and Women
Engineering Branch {General Service (GS)}	36	Men and Women (maximum of 05 vacancies for women)
Electrical Branch {General Service (GS)}	40	Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)
Naval Constructor	16	Men and Women
Total	260	

* These vacancies are tentative and may be changed depending on availability of training slots.

CBC 10701/13/0011/2526

APPLY ONLINE FROM 09 AUG TO 01 SEP 25

For eligibility criteria and specific details for the batch, visit www.joinindiannavy.gov.in and

EMPLOYMENT NEWS DATED 16 AUG 25

Scan this QR Code to apply online

भारत के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ वार अदावत का रुख अख्तियार करता जा रहा है। ट्रंप ने अपने टैरिफ वार से विश्व के देशों की आंखें खोली हैं कि अमेरिका किसी भी देश का हितैषी नहीं है, उसे बस अपने से मतलब है। ट्रंप ने विश्व में अमेरिका के लोकतंत्र के रक्षक, ग्लोबल ऑर्डर के नियंता और महाशक्ति होने के तिलिस्म को भी तोड़ दिया है। अब अमेरिका एक साधारण राष्ट्र है, जो अपने बेशुमार कर्ज से उबरने के लिए संघर्षरत है। भारत पर ट्रंप के 50 फीसदी शुल्क ऐलान के बाद नई दिल्ली ने संयमित रहते हुए वाशिंगटन को दो टूक संदेश दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों व ऊर्जा सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। भारत के लिए अमेरिका ने शुल्कात्याचार से ऐसी संकटपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है कि वह नए वैश्विक ऑर्डर की तरफ सरक रहा है। पीएम मोदी एससीओ की बैठक में चीन जा सकते हैं, चीन ने इसका स्वागत किया है, वहां मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग मिल सकते हैं। मोदी व पुतिन ने बात की है, वर्ष के अंत तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आएंगे। ब्राजील ने मोदी व शी के साथ सहयोग बढ़ाकर टैरिफ वार का हल निकलने की बात की है। यानी ब्रिक्स ध्रुवीकृति हो रहा है। मौजूदा परिस्थिति में भारत के लिए अपनी ट्रेडकूटनीति को आगे बढ़ाने के मौके का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

भारत के लिए ट्रेडकूटनीति का मौका

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का ट्रंप का दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए भारत को भी अपना निशाना बना डाला। इसमें कोई शक नहीं कि भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर चुकी है।

सात अगस्त को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध अपने द्वारा ही घोषित किए गए आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से दो गुना करके 50 प्रतिशत कर दिया। अधिक वक्त पुराना दौर नहीं था, जबकि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तक़रीर पर अमेरिका की संसद में जोरदार तालियां गूंज उठीं थी। एक ऐतिहासिक वक्त इस बात का गवाह रहा कि दो शक्तिशाली ध्रुवों के मध्य फिर से निरंतर विभाजित हो रही दुनिया में भारत वस्तुतः अमेरिका का एक भरोसेमंद पार्टनर बनता जा रहा था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बहुत ही खुले दिल और गर्म जोशी से नरेंद्र मोदी का खैरमक़दम किया था। इस शानदार खैरमक़दम के पीछे जो बाइडेन के दो रणनीतिक मक़सद थे। पहला मक़सद था कि यूक्रेन पर रूस के हमले के मामले में भारत को स्पष्ट कूटनीतिक रुख अख्तियार करने के लिए रजामंद करना। दूसरा मकसद था कि भारत को एक ऐसे गठबंधन में बाकायदा शामिल करना जो कि चीन के निरंतर बढ़ते हुए वैश्विक प्रभाव का बखूबी सामना कर सके।

प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा भारत

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी दफा राष्ट्रपति पद पर सत्तासीन होने से ठीक पहले तक, भारत यकीनन अमेरिका की दृष्टि में केवल उसका सिर्फ एक व्यापारिक साझेदार ही नहीं था, वरन् एक प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा। अमेरिका की नजरों में भारत एशिया में लोकतंत्र का सबसे प्रबल पैरोकार और ताकतवर स्तंभ भी रहा। राष्ट्रपति डब्ल्यू जार्ज बुश से लेकर जो बाइडेन तक अमेरिका के सभी राष्ट्रपतियों द्वारा भारत को रणनीतिक नजरिए से फ्री एंड ओपेन इंडो पैसेफिक के लिए अत्यंत आवश्यक सहयोगी करार दिया गया। अमेरिका और भारत द्वारा एकजुट होकर रक्षा, विज्ञान, तकनीक, नौसेनिक अभ्यास, और क्वाड फ्रंट में एक प्रबल सहयोगी के तौर पर शानदार काम अंजाम दिया। वर्ष 2024 में भारत और अमेरिका द्वारा दस वर्षीय रक्षा रोडमैप का सृजन किया गया और परस्पर व्यापार को 500 अरब डालर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह संबंध को आगे ले जाने की पहल थी।

अमेरिका गंवा सकता है करीबी साझेदार

अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। दिल्ली स्थित आर्थिक मामलों के एक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव का तथ्यात्मक और तार्किक अनुमान है कि अमेरिका को भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान 50 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसी वर्ष 2025 के फरवरी महीने में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर थे, तो उस वक्त भी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों में अनेक अंतरराष्ट्रीय जानकार एक गहरी अंतरविरोधी रणनीतिक उलझन देख रहे थे। अमेरिका के जाने माने अर्थशास्त्री मिल्टन फ्रीडमैन का कथन है कि डोनाल्ड ट्रंप का बुनियादी चरित्र एक कुशल व्यापारी का रहा है, ना कि एक प्रखर दूरदर्शी राजनेता का। अतः राष्ट्रपति ट्रंप व्यापारिक संबंधों को कूटनीतिक हथियार को तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने मिथ्या दंभ से परिपूर्ण एक घोषणा की थी कि अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने के 24 घंटे के अंदर ही यूक्रेन और रूस की जंग को खत्म करा देंगे, लेकिन ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ लिए हुए तकरीबन सात महीने व्यतीत हो चुके हैं और रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का उनका दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए रणनीतिक मित्र राष्ट्र भारत को भी अपना निशाना बना डाला।

दोनों देशों को होगा आर्थिक नुकसान

आर्थिक संकट की इस विकट घड़ी में भारत के लिए आखिरकार आगे का क्या रास्ता है? चीनी कूटनीति के जाने माने विशेषज्ञ हुआंग का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम हमले में भारत को तात्कालिक तौर पर जबरदस्त आर्थिक नुकसान उठाना ही होगा। भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर चुकी है। डिप्लोमेट हुआंग को प्रतीत होता है कि अमेरिका की इस आक्रामक रणनीति से भारत और चीन कूटनीतिक तौर पर एकदम निकट आ सकते हैं। कूटनीतिक निकटता के इस प्रस्थान बिंदु से चीन और भारत एक साथ अमेरिका के व्यापारिक दबाव का जमकर मुकाबला करने के लिए खड़े हो जाएंगे। हुआंग के मुताबिक शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शिरकत करना तकरीबन तय हो चुका है। चीन स्वागत को तैयार है।

भारत का ट्रंप को ताकतवर पैगाम

एससीओ के शिखर मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग का एक साथ खड़ा होना ही डोनाल्ड ट्रंप के लिए ताकतवर पैगाम होगा कि चीन की तरह से भारत भी किसी अंतरराष्ट्रीय अमेरिकन धौंस और दबाव के आगे कदाचित नहीं झुकेगा। पीएम मोदी ने न झुकने का ऐलान भी किया है। ट्रंप ने चीन पर प्रारंभ में 50 प्रतिशत टैरिफ आयद किया था। उसके प्रत्युत्तर में चीन द्वारा अमेरिका पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया तो चीन द्वारा भी अमेरिका पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ आक्रमण का चीन द्वारा ट्रंप को उन्हीं की टैरिफ रणनीति में कड़ा आक्रामक जवाब दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप अंततः चीन के विरुद्ध एकदम नरम पड़ गए और चीन पर केवल 10 प्रतिशत टैरिफ आयद करने पर आकर टिक गए। उल्लेखनीय है कि अपने विगत कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन के विरुद्ध ट्रेड वार संचालित करने का ऐलान किया गया था। आखिरकार क्या परिणाम निकला। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चीन और अधिक ताकतवर होकर उभरा। राष्ट्रपति ट्रंप अपनी मिथ्या वाणी और दबाव परिवर्तित करने के लिए सारी दुनिया में जाने पहचाने गए हैं। अमेरिका के प्रति चीन का दृष्टिकोण और कार्यनीति से एकदम पृथक रही। अमेरिका द्वारा भारत पर आयद 50 प्रतिशत टैरिफ पर वस्तुतः भारत सरकार की प्रतिक्रिया अत्यंत संतुलित किंतु दो टूक रही है।

टैरिफ का फैसला अनुचित और बेबुनियाद

भारतीय विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद करने के फैसले को एकदम अनुचित और बेबुनियाद करार दिया है। भारत सरकार का कहना है कि भारत को अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए तेल आयात करने का निर्णय लेना है। यकीनन भारत ने टैरिफ आयद करने पर अमेरिका को चीन और ब्राजील के लहजे में कदाचित नहीं ललकारा है। भारत सरकार ने अत्यंत शालीन और संतुलित शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारत सरकार द्वारा अपने बयान में फिर से दोहरा दिया गया है कि अपने राष्ट्रीय हितों की हिफाजत करने की खातिर सभी आवश्यक फैसले ले लिए जाएंगे। भारत वस्तुतः अमेरिका से कोई कूटनीतिक तकरार में उलझना नहीं चाहता है। विगत दो दशक में निर्मित हुए भारत-अमेरिका संबंधों को कदाचित बिगाड़ना नहीं चाहता है। स्मरण करें कि जब एक ऐतिहासिक दौर में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सैन्य संगठन सेंट्रल ट्रीट्री ऑर्गेनाइजेशन (सेंटो) का सदस्य बनाया, पाक के साथ सैन्य संधि अंजाम देकर भारत के विरुद्ध उसको आधुनिकतम हथियारों से सन्नद किया था। उस दौर में भी भारत ने अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों को सदैव सहज और सामान्य बनाए रखा था। भारत द्वारा गुटनिरपेक्ष नीति का परिपालन करते हुए कोल्ड वार के विकट दौर में भी दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों के मध्य अपने कूटनीतिक संतुलन को कायम बनाए रखा गया था। सन् 1956 में स्वेज कैनाल सैन्य संकट और सन् 1961 में क्यूबा सैन्य संकट के दौरान विश्वयुद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया को बचाने और संकटों का निदान करने के लिए इतिहास भारत के किरदार को स्मरण करेगा। यही कारण था कि 1962 में जब भारत पर चीन ने सैन्य आक्रमण अंजाम दिया था, उस वक्त भारत के पक्ष में सोवियत रूस और अमेरिका एक साथ खड़े हो गए थे। भले ही लोकतांत्रिक भारत में सरकारें तब्दील होती रही हैं किंतु भारत अपनी कसौटी पर खरी उतरी स्वतंत्र विदेश नीति पर निरंतर कायम बना रहा है।

मोदी का चीन दौरा महत्वपूर्ण सिद्ध होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संभावित चीन दौरा भी बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश नीति अपने मित्र देशों पर टैरिफ के जरिए केवल कूटनीतिक दबाव कायम करने की कुटिल रणनीति है। रूस-भारत-चीन (आरआईसी) कूटनीतिक त्रिकोण को निर्मित करने का प्रयास निरंतर गति से जारी है। यदि वास्तव में यह प्रस्तावित कूटनीतिक त्रिकोण व्यवहार में आकार ले लेता है तो फिर भारत-चीन के मध्य विद्यमान रहा तनाव समाप्त हो सकता है। पाकिस्तान के प्रति चीन द्वारा अंजाम दिया जा रहा अंध समर्थन खत्म हो सकता है। राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के लिए रेड कार्पेट के स्थान पर कांटे बिछा दिए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को उम्मीद है कि टैरिफ आक्रमण से संभवतया रूस के साथ अपने गहरे व्यापारिक और सामरिक ताल्लुकात को तोड़ लेने के लिए भारत सरकार को विवश कर सकेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप को तनिक भी एहसास नहीं है कि भारतीय जनमानस में रूस के प्रति कितना गहन लगाव विद्यमान रहा है। जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका सहित समस्त पश्चिम कश्मीर पर भारत के विरुद्ध एकजुट था, तब तत्कालीन सोवियत रूस ने भारत के पक्ष में छह दफा वीटो का इस्तेमाल किया था। भारत इसको कैसे भूल सकता है। बांग्लादेश युद्ध के दौर में जब अमेरिका खुलकर पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा हो गया था तो केवल रूस की सक्रिय इमदाद और सैन्य समर्थन से भारत ने यह युद्ध निर्णायक तौर पर जीत लिया था। आजादी के बाद भारत की औद्योगिक प्रगति में सोवियत रूस द्वारा अविस्मरणीय योगदान प्रदान किया गया। केंद्र में कोई भी हुकूमत कायम रहे, वह भारतीय जनमानस के रूस के प्रति अगाध सम्मान और स्नेह की उपेक्षा करके अमेरिका के दबाव में रूस से भारत का ऐतिहासिक संबंध तल्ख करने का खतरा नहीं उठा सकती।

वैश्विक अर्थव्यवस्था हो सकती है प्रभावित

ट्रंप टैरिफ
प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद्, विचारक एवं चिंतक

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है। यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ। यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा। ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे? कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है।

राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता

मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है, जिसमें दवाइयां, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं। लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमेरिका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है, जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है।

भारत बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था

भारत आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। इसका पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है। उद्योग जगत भी इस दबाव को एक

अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है, जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी। गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है। मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है कि मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है। धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है, जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है। इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमेरिका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य में नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है। पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिट में शामिल होंगे।

चीन से सुधर सकता है रिश्ता

मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है, जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत में जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों। खासकर, तब जब अमेरिका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है। चीन को भारत के विशाल बाजार की जरूरत है, और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में दूरी बढ़ने से बीजिंग अपने संबंध सुधारने को उत्सुक होगा। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी भले ही अभी भी जारी हो, पर बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का आत्मविश्वास, अडिग रुख और दूरदर्शी नेतृत्व इसे न सिर्फ झेलने में सक्षम है, बल्कि इसे अपने विकास की सीढ़ी भी बना सकता है।

शुल्क युद्ध से एक हो रहे रूस, चीन व भारत

टैरिफ वार
विकेश कुमार बडोला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नीतिगत रूप से दिग्भ्रमित प्रतीत हो रहे हैं। पहल वे स्वयं डीप स्टेट के विरुद्ध अमेरिका और दुनिया में एक राजनीतिक विद्रोह छेड़े हुए थे, किंतु अब प्रतीत होता है कि वे भी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं पूर्ण करने के चंगुल में फंसकर शुल्क युद्ध छेड़े हुए हैं। भारत के विरुद्ध दस-बारह से आरंभ हुआ अमेरिकी शुल्क युद्ध अभी 25 तथा अगस्त बीतने पर 50 प्रतिशत हो जाएगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार की निर्धारित, प्रमान्य एवं एक दशक से चल रही लगभग संतुलित नीतियों को अमेरिका ने वास्तव में असंतुलित कर दिया है। वस्तु उद्योग, सेवा उद्यम और वस्तु व सेवा की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला को धरातल पर अमेरिकी पचास प्रतिशत शुल्क द्वारा वास्तव में कितनी हानि पहुंचेगी, यह तो बाद में ही पता चलेगा, लेकिन पचास प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाने के अमेरिकी निर्णय ने भारत से संबंधों की गत एक दशक से बनी समझ, सामंजस्य तथा इसके परिणाम से उत्पन्न लाभ की स्थितियां लगभग समाप्त कर दी हैं। यह एक स्तर की हानि है। जैसे-जैसे समय व्यतीत होगा, दोनों देशों का व्यापार जगत, उपभोक्ता जगत, बैंकिंग, बीमा एवं शेयर बाजार का क्षेत्र भी भिन्न-भिन्न अज्ञात अर्थहानियों का सामना करेंगे।

रूस से तेल खरीद पर नाराज ट्रंप

राजनीतिक दृष्टिकोण के साथ भारतवासी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को कितना ही कोस लें, किंतु भारत पर शुल्क को पचास प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय ट्रंप के व्यक्तिगत अहंकार, हठ एवं श्रेष्ठता के दंभ के आलोक में ही नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में यह यही इंगित करता है कि अमेरिका को रूस से कच्चा तेल आयात करने के भारत के जिस कार्य व निर्णय से सर्वाधिक समस्या है, उससे भारत को 2022 के बाद अत्यधिक लाभ हुआ है। लगभग पूरे वर्ष तक संपूर्ण यूरोप भारत के उस परिशोधित ईंधन पर ही आश्रित रहा, जो समुद्र या धरती के विशेष स्थानों से उत्खन्न के बाद रूस द्वारा सीधे भारत को आयात किया जा रहा था। रूस से कच्चे तेल का आयात और परिशोधन के बाद यूरोप के 27 देशों समेत अनेक अन्य देशों को निर्यात, इस कार्य में भारत सिद्धहस्त हो चुका है। भारत से परिशोधित तेल मंगाने वाले देशों को दुनिया में सबसे निम्न मूल्य पर तेल उपलब्ध हो रहा है। तेल आयात एवं निर्यात आधारित यह पूरा चक्र एक बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसमें पहला बड़ा लाभार्थी भारत तो दूसरा रूस है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में रूस इसी अर्थव्यवस्था के बल पर संपूर्ण यूरोप में पश्चिमी यूरोप का एकमात्र देश था, जिसकी अर्थव्यवस्था यूक्रेन युद्ध के बाद भी सबसे समृद्ध थी।

भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत ने इस आधार पर पहले फ्रांस, फिर इंग्लैंड और अब जापान को पीछे करके विश्व की चतुर्थ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। अब प्रथम स्थान पर 30.50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ अमेरिका, 19.23 ट्रिलियन डॉलर के साथ द्वितीय स्थान पर चीन,

4.74 ट्रिलियन डॉलर के साथ तृतीय स्थान पर जर्मनी तथा 4.19 ट्रिलियन डॉलर के साथ भारत चतुर्थ स्थान पर है। भारत की आर्थिक स्थिति को अकस्मात, कोरोना महामारी के कारण अर्थजगत में मंदी के बाद भी, आगे बढ़ने का अवसर तब ही प्राप्त हुआ जब रूस से तेल आयात और फिर आशोधन के बाद उस तेल के निर्यात से भारत के लाभ व आरक्षितियों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। गत चार वर्ष में भारत इस उद्योग एवं व्यापार का एक अनुभवी देश बन चुका है। इस लाभार्जनकारी अनुभव के आधार पर भारत के उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की नींव अत्यधिक शक्तिशाली हो चुकी है। रूस के साथ भारत का व्यापारिक एवं सामरिक संबंध हमेशा विश्वास व निष्ठा आधारित रहा है। दोनों देशों ने, विशेषकर रूस ने आसन्न संकटों के समय सदैव भारत का साथ दिया। दोनों देश पारस्परिक सहभागिता, सहकारिता एवं सहयोगपरक दृष्टिकोण के कारण ही कोरोना काल में भी अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं को तेल के कारोबार के कारण संतुलित रख पाए। कारोबार के सफल क्रियान्वयन को तीन-चार वर्ष व्यतीत हो चुके हैं, तो अमेरिका को टीस उभरी है। पहले पहल अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोचा कि भारत-अमेरिका के मध्य होने वाले व्यापार अनुबंध में वे व्यापक व लाभकारी अमेरिकी हितों के अनुरूप भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को मनाकर उन्हें इसके लिए सहमत कर लेंगे और ऐसा होने पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था भारतीय उपभोक्ताओं एवं बाजारों के आधार पर अभूतपूर्व लाभ अर्जित करेगी। तब उन्हें भारत व रूस के तेल कारोबार से उभरती नई वैश्विक अर्थव्यवस्था से अधिक समस्या नहीं थी। किंतु पाकिस्तान आधारित अपने सामरिक हितों को भारत के सैन्याक्रमण से हुई हानि के बाद तो अमेरिका के लिए भारत केवल रूस के साथ तेल का कारोबार करके लाभार्जित करने वाले देश के रूप में ही नहीं, अपितु रूस की सहायता से अस्त्रों-शस्त्रों की नवोन्नत प्रौद्योगिकी विकसित करने वाले ऐसे देश के रूप में भी उभरा है, जिसके हथियार अमेरिकी हथियारों से भी श्रेष्ठ सिद्ध हुए हैं। इन्हीं वास्तविक घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में जब ट्रंप ने अनुभव किया कि मोदी उनके अनुरूप कुछ नहीं कर रहे हैं, तो वे कुंठित हो गये, और परिणामस्वरूप भारत पर अमेरिका की ओर से व्यापारिक शुल्क घोषित कर दिया। अमेरिका द्वारा उत्पन्न इस संकट की स्थिति में चीन ने भारत के आह्वान के बिना ही, स्वप्रेरित होकर भारत का पक्ष लेना आरंभ कर दिया है। उसके देशी-विदेशी मंत्रियों एवं भारत स्थित राजदूत की ओर से अमेरिका पर तरह-तरह के लांछन लगाये जाने लगे हैं। उसने रूस के साथ मिलकर अमेरिकी प्रतिरोध के लिए भारत का संबल बनने के हर संभव संकेत दे दिए हैं। इस वातावरण में भारत की रूस के साथ अनेक स्तरीय शिखर वार्ताएं हो रही हैं। संभावना है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की संक्षिप्त यात्रा पर आएं। संभावना ये भी है कि चीन में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाएं व शी से मिलें। इन दोनों संभावनाओं को दिनोंदिन बल मिल रहा है।

गुटसापेक्षता से सहमे ट्रंप

उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत विरोधी अपने शुल्क आरोपण अत्याचार की प्रतिक्रिया में आकार ले रही रूस, भारत व चीन (आरआईसी) की गुटसापेक्षता से सहम गये हैं। ब्रिक्स के प्रतिरोध में पहले उन्हें भारत के साथ स्वस्थ मैत्री के आधार पर कुछ यूएस हितैषी कार्य किये जाने की आशा थी भी, किंतु भारत पर शुल्कात्याचार के बाद तो अब अमेरिका तथा अमेरिकी डॉलर के समक्ष रूस, भारत व चीन के गठबंधन के बाद एक नवीन निरुपाय चुनौती खड़ी हो गई है। जिस दिन ये घोषणा हुई कि मोदी दुनिया के सबसे अधिक प्रिय नेता हैं और पहले पांच प्रिय नेताओं में ट्रंप अंतिम हैं, उसी दिन से अमेरिकी राष्ट्रपति किंकर्त्तव्यविमूढ़ होकर भारत विरोधी रणनीतियों को धरातल पर उतारने लगे थे।

तय कर सही स्कीम में निवेश करने से मिलेगा फायदा | म्यूचुअल फंड और गोल्ड निवेश करके बड़ा फंड तैयार करें | अपनी पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें, विविधता रखें

प्लानिंग बनाकर करें निवेश, 10 साल में बन सकते हैं करोड़पति

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

जब भी बात करोड़पति बनने की आती है तो ऐसा लगता है कि यह बहुत मुश्किल है। काफी लोग एक लाख रुपये महीने की सैलरी होने के बावजूद एक करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा नहीं कर पाते हैं। हालांकि यह प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो यह कुछ मुमकिन है। आप सही प्लानिंग के जरिए निवेश करके मात्र 10 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं। अगर आपकी उम्र 35 साल है और आप अगले 10-12 सालों में 1 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहते हैं, तो ये जानकारी आपके लिए काफी अहम हो सकती है।

जानकारों के अनुसार म्यूचुअल फंड और गोल्ड आदि जगह निवेश करके बड़ा फंड तैयारी किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड का रिटर्न शेयर मार्केट के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। जानकारों के मुताबिक पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें। पोर्टफोलियो में विविधता होनी चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार करोड़पति बनने के लिए जल्द से जल्द निवेश शुरू कर देना चाहिए। अगर कोई शख्स 35 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है तो वह 10 से 12 साल में करोड़पति बन सकता है। हालांकि इस दौरान निवेश में रिस्क लेना भी जरूरी होगा। इसके लिए कुछ रिश्क लें और लंबी अवधि के निवेश का प्लान तैयार कर आगे बढ़ें। इससे आप आसानी से करोड़पति बना पाएंगे और अपने धन से भविष्य को सुरक्षित कर पाएंगे। एक्सपर्ट कहते हैं कि कम जोखिम वाले निवेश से बहुत ज्यादा रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उदाहरण के लिए, लार्जकैप स्कीम्स ने पिछले पांच सालों में 14.02% का रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आप कम जोखिम लेंगे, तो आपको रिटर्न भी थोड़ा कम मिलेगा।

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

कहां करें निवेश

आप अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर निवेश कर सकते हैं। जैसे कि 20% ग्रोथ वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% वैल्यू वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% कॉन्ट्रा फंड में, 20% ग्रोथ वाले मिडकैप फंड में और 20% ग्रोथ वाले स्मॉल कैप फंड में निवेश कर सकते हैं। इस तरह से निवेश करने से आप अलग-अलग मार्केट कैप और स्टाइल में निवेश कर पाएंगे। इससे आपके पैसे के डूबने का खतरा कम होगा और आपको अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

करोड़पति बनने के लिए कितना निवेश करें

अगर आप 10 साल में 12% सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) के साथ 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करना चाहते हैं, तो आपको हर महीने 45,000 रुपये एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करनी होगी। वहीं, 12 साल में करोड़पति बनना चाहते हैं तो यह निवेश 35,000 रुपये महीने का होगा। हालांकि 10 से 12 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू कम हो जाएगी। इसलिए एक्सपर्ट कहते हैं कि हर साल एसआईपी की रकम 5 से 10 फीसदी बढ़ाते जाएं।

गोल्ड कितना जरूरी

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

ऐसे करें निवेश की प्लानिंग

चरण 1 : वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण
1. **लक्ष्यों की पहचान:** अपने वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करें, जैसे कि रिटायरमेंट के लिए बचत, बच्चों की शिक्षा, या घर खरीदना।
2. **लक्ष्यों की प्राथमिकता:** अपने लक्ष्यों को प्राथमिकता दें और उनकी समय सीमा निर्धारित करें।

चरण 2 : जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन
1. **जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन:** अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें और यह निर्धारित करें कि आप कितना जोखिम उठाने को तैयार हैं।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 3 : निवेश विकल्पों का चयन
1. **निवेश विकल्पों की जानकारी:** विभिन्न निवेश विकल्पों की जानकारी प्राप्त करें, जैसे कि स्टॉक, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, और बॉन्ड।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** वित्तीय लक्ष्यों व जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 4 : निवेश योजना का निर्माण
1. **निवेश योजना का निर्माण:** अपने वित्तीय लक्ष्यों और निवेश विकल्पों के अनुसार योजना बनाएं।
2. **निवेश की राशि:** निवेश की राशि निर्धारित करें और नियमित निवेश करने का निर्णय लें।

चरण 5 : निवेश की निगरानी और समीक्षा
1. **निवेश की निगरानी:** अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें।
2. **निवेश की समीक्षा:** यह सुनिश्चित करें कि लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं।

अतिरिक्त सुझाव
1. **विविधीकरण** : अपने निवेश को विविध बनाएं और एक ही निवेश विकल्प में अधिक जोखिम न उठाएं।
2. **नियमित निवेश** : नियमित निवेश करने से आपके निवेश की राशि बढ़ सकती है।

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड

चढ़ते और गिरते दोनों शेयरों पर दांव लगाने का मौका

काम की बात
बिजनेस डेस्क

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) गिरते बाजार में भी पैसे कमाने का मौका देता है। लेकिन, यह फंड कमजोर दिल वाले इनवेस्टर्स के लिए नहीं है। हाल में सेबी ने एसआईएफ की नई कैटेगरी शुरू की थी। क्वांट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड (क्यूएसआईएफ) इस कैटेगरी का इंडिया का पहला फंड है। यह इनवेस्टमेंट के लिए हेज-फंड स्टाइल की स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। इसका मतलब है कि यह एक ही समय में लॉन्ग पोजीशन और शॉर्ट पोजीशन या इसके ऑपोजिट पोजीशन लेने की इजाजत देता है। यह म्यूचुअल फंड के फ्रेमवर्क के तहत आता है। इसका मतलब है कि इस पर रेगुलेटर की नजर रहती है। यह इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा का भी ध्यान रखता है। उतारचढ़ाव वाले बाजार में शॉर्टिंग से मुनाफा कमाने की गुंजाइश होती है। क्वांट म्यूचुअल फंड के फाउंडर और सीआईओ संदीप टंडन ने कहा, ₹अगर आपके पास स्ट्रॉन्ग रिसर्च है, अच्छा एनालिटिक्स है और सॉलिड माइक्रो व्यू है तो शॉर्टिंग से आप मार्केट में दोनों तरह की स्थितियों में पैसे कमा सकते हैं। आपको स्टॉक के चढ़ने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। गिरते स्टॉक्स से मुनाफा कमाना सेबी के फ्रेमवर्क के तहत लीगल है। यह उन इनवेस्टर्स के लिए अहम टूल है जो इसके इस्तेमाल का तरीका जानते हैं।

यह किस स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है

यह फंड लॉन्ग-शॉर्ट स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। यह ऐसे स्टॉक्स को खरीदता है, जिनकी कीमतें चढ़ने की उम्मीद होती है और साथ ही उन स्टॉक्स को शॉर्ट करता है जिनकी कीमतें गिरने के आसार होते हैं। इस स्ट्रेटेजी की वजह से मार्केट किसी भी दिशा में जाए इनवेस्टर्स को मुनाफा होता है। गिरने वाले और चढ़ने वाले शेयरों की पहचान फंड मैनेजर करता है। इसके लिए फंडामेंटल और टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल होता है।

टैक्स के कौन से नियम लागू होते हैं

टैक्स के मामले में एसआईएफ पर म्यूचुअल फंड्स के नियम लागू होते हैं। इस वजह से यह एआईएफ या पीएमएस के मुकाबले ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। सहजमनी के फाउंडर और चीफ इनवेस्टमेंट एडवाइजर अभिषेक कुमार ने कहा, क्यूएसआईएफ जैसे इक्विटी ओरिएंटेड एसआईएफ के शॉर्ट टर्म गेंस पर 20 फीसदी टैक्स लगता है, जबकि लॉन्ग टर्म गेंस पर 12.5 फीसदी टैक्स लगता है। एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपये का गेंस टैक्स-फ्री है।

न्यूनतम इनवेस्टमेंट कितना है

एसआईएफ में कम से कम 10 लाख रुपये का निवेश जरूरी है। यह पीएमएस में न्यूनतम 50 लाख रुपये और एआईएफ में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये के निवश के मुकाबले कम है। सैंक्टम वेल्थ में इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट्स के हेड अलख यादव ने कहा कि न्यूनतम निवेश कम होने से यह ज्यादा इनवेस्टर्स के दायरे में आ जाता है। इसके अलावा चूंकि यह सेबी के नियम और कानून के तहत ऑपरेट होता है, जिससे इस पर रेगुलेटर की नजर बनी रहती है। इससे इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा होती है।

क्या आपको इनवेस्ट करना चाहिए?

एसआईएफ का इस्तेमाल इनवेस्टर को अपने सैटेलाइट पोर्टफोलियो की तरह करना चाहिए न कि कोर पोर्टफोलियो के एक हिस्से के रूप में। अगर कोई स्मार्ट इवेस्टर रिस्क और रिटर्न को बैलेंस करना चाहता है तो वह कुछ पैसा एसआईएफ में लगा सकता है। अगर वह 50 रुपये म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह इसमें से 15 रुपये एसआईएफ में लगा सकता है। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड में कुल निवेश का 30 फीसदी वह एसआईएफ में इनवेस्ट कर सकता है।

क्या है एसआईएफ

स्पेशलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) एक नया निवेश विकल्प है जो म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) के बीच का ऑप्शन है। यह निवेशकों को अधिक जोखिम लेने और विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग करने की अनुमति देता है, जैसे कि लॉन्ग-शॉर्ट फंड। एसआईएफ में निवेश करने के लिए कम से कम 10 लाख की आवश्यकता होती है।

एसआईएफ की विशेषताएं

- लॉन्ग-शॉर्ट फंड : एसआईएफ में निवेशक दोनों तरह के स्टॉक खरीद और बेच सकते हैं, जिससे जोखिम कम करने और बेहतर लाभ पाने का मौका मिलता है।
- अधिक जोखिम : एसआईएफ में निवेश करने वाले निवेशकों को अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है, लेकिन इससे अधिक रिटर्न भी मिल सकता है।
- टैक्स लाभ : एसआईएफ में टैक्स की व्यवस्था म्यूचुअल फंड जैसी ही है, जो निवेशकों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

एसआईएफ में निवेश करने के लाभ

- अधिक फ्लेक्सिबिलिटी : एसआईएफ में निवेशक विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और अपने निवेश को अधिक फ्लेक्सिबल बना सकते हैं।
- अधिक रिटर्न : एसआईएफ में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है।

कौन से फंड कर रहे हैं हाउस एसआईएफ लॉन्च

- क्वांट म्यूचुअल फंड : क्वांट म्यूचुअल फंड ने भारत का पहला लॉन्ग-शॉर्ट एसआईएफ फंड लॉन्च करने की मंजूरी प्राप्त की है।
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भी अपना एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।
- एसबीआई म्यूचुअल फंड : एसबीआई म्यूचुअल फंड भी एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

- **फाइनेंशियल सफलता की पहली सीढ़ी है खर्चों पर रोक लगाना और भविष्य के लिए आय का 20 फीसदी बचाना**
- **अपने मंथली बिलों व खर्चों को कम कर बचा सकते हैं पैसे**
- **अपने बचे हुए पैसे को सही जगह निवेश करें, बढ़ेगा पैसा**

पैसों का करें बेहतर मैनेजमेंट, नहीं होंगे परेशान

सैलरी को 'दीमक' की तरह खा जाते हैं बिल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अक्सर लोगों को लगता है कि फाइनेंशियल रूप से मजबूत या फिर सफलता का मतलब बहुत ज्यादा पैसा कमाना है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं होता है। असल में फाइनेंशियल सफलता की पहली और सबसे अहम सीढ़ी है अपने खर्चों पर रोक लगाना। जब आप अपने मंथली बिलों और खर्चों को कम करते हैं, तो फिर आपके पास बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए अधिक पैसा बचता है। तभी आप अपने पैसे को बढ़ा पाते हैं। असल में यह कोई मुश्किल काम नहीं है, जी हां कुछ आसान और सुनियोजित कदम उठाकर आप अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं और एक मजबूत वित्तीय फ्यूचर की नींव रख सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ टिप्स जो अपको आर्थिक सफलता की ओर ले जाएंगे।

पहला कदम : अपने खर्चों को पहचानें

सबसे पहले, आपको यह जानना होगा कि आपकी मेहनत की कमाई का पैसा कहां जा रहा है। इसके लिए, आप कम से कम एक महीने तक अपने हर छोटे-बड़े खर्च का हिसाब रखें। अपने सभी खर्चों को एक कॉपी में या मोबाइल ऐप में लिखें। इसमें किराए, किराने का सामान, ईएमआई, बिजली बिल से लेकर एक कप चाय का खर्च भी शामिल करें। यह कदम आपको यह समझने में हेल्प कर सकता है कि आप कहां-कहां फिजूलखर्ची कर रहे हैं।

दूसरा कदम बजट बनाएं

एक बात साफ है कि जब आप अपने खर्चों को पहचान लेंगे, तो अगला कदम होगा एक मासिक बजट बनाना है। अपनी इनकम के हिसाब से हर चीज के लिए एक लिमिट तय करें. बजट बनाने से आपको अपने खर्चों को कंट्रोल करने में मदद मिल सकेगी। अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें।

अहम खर्चे : किराया, ईएमआई, राशन, दवाई आदि।

गैर-जरूरी खर्चे : बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग, मनोरंजन आदि।

तीसरा कदम : गैर-जरूरी खर्चों में कटौती

अधिक पैसा बचाने के लिए अपने गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। इससे आपको हर महीने पैसे बचने लगेंगे। इस पैसे को आप अच्छी जगह पर निवेश करें। धीरे धीरे इस निवेश औश्र अचत को बढ़ाते जाएंगा। इससे आपके हाथों में अधिक पैसा आएगा और आपकी बचत बढ़ती जाएगी। आप इन खर्चों में कर सकते हैं कटौती।

मनोरंजन : कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के सब्सक्रिप्शन लेने के बजाय, केवल एक या दो का ही यूज करें।

खान-पान : बाहर से खाना ऑर्डर करने की जगह, घर पर खाना बनाने की आदत डालें। इससे आपके पैसे और हेल्थ दोनों बचेंगे।

शॉपिंग : अनावश्यक और आवेगपूर्ण खरीदारी से बचें। जब कोई चीज जरूरी हो तभी खरीदें।

चौथा कदम : बड़े बिलों को कम करें

आपको अपनी बचत बढ़ाने के लिए अपने सबसे बड़े मासिक बिलों को कम करने के तरीके खोजने होंगे या कमाई को बढ़ाना होगा। कोई भी पार्टटाइम काम करें। फीलॉन्सिंग भी कर सकते हैं। इससे आपको पैसे बचेंगे। बिजली का बिल ज्यादा है। गैर जरूरी उपकरणों को बंद कर दें। घर लाइट उतनी ही जलाएं, जितनी जरूरत हो। कुछ बिलों में ऐसे कर सकते हैं कटौती।

बिजली बिल : घर में एलईडी लाइट का यूज करें, पुराने और ज्यादा बिजली खाने वाले उपकरणों को बदलें और जरूरत न होने पर पंखे, एसी और लाइट बंद करें।

फोन और इंटरनेट : अपने फोन और इंटरनेट प्लान की तुलना करें। कई बार, कंपनियां बेहतर ऑफर दे रही होती हैं, जिनसे आपका बिल कम हो सकता है।

लोन की ईएमआई : अगर आपके पास पुराना लोन है, तो उसकी ब्याज दर को कम करने के लिए बैंकों से बात करें।

पांचवां कदम : बचत को प्राथमिकता दें

अपने मंथली खर्चों को कम करने के बाद, जो भी पैसा बचे उसे तुरंत बचत और इन्वेस्टमेंट में लगाएं। 'खुद को पहले भुगतान करें' के रूल को अपनाएं। इसका मतलब है कि सैलरी आने पर सबसे पहले बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए पैसा निकालें, फिर बाकी बचे पैसों से खर्च करें। इससे साफ है कि मंथली बिलों को कम करना एक आदत है, जिसे लगातार कोशिश से अपनाया जा सकता है। यह कोई बड़ा काम नहीं होता है, बल्कि छोटे-छोटे कदमों का एक बड़ा रूप होता है। इन कुछ कदमों को उठाकर आप ना केवल अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्यों को भी हासिल कर सकते हैं और एक सेफ फ्यूचर की नींव रख सकते हैं।

स्टूडेंट लाइफ में फाइनेंशियल मैनेजमेंट घटा सकता है परेशानी, बजट बनाकर फ्यूचर प्लानिंग भी छात्रों के लिए बेहतर

इन्हें अपनाने से कम पैसों में भी जी सकते हैं बॉस वाली जिंदगी

स्टूडेंट लाइफ में करें मनी मैनेजमेंट, भविष्य में धन की नहीं रहेगी कमी, अमीर बनने के लिए हर छात्र कुछ अहम टिप्स को अपनाएं

प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

विद्यार्थी लाइफ अक्सर उत्साह, सीखने और नए अनुभवों से भरा होती है, लेकिन इसी दौरान पैसों का मैनेजमेंट बहुत बड़ी चुनौती भी साबित हो सकता है। कॉलेज की फीस, किताबों का खर्च, हॉस्टल का किराया, खाना-पीना, और मनोरंजन के खर्चे इन सभी को मैनेज करना कभी बार मुश्किल हो जाता है, लेकिन अगर स्टूडेंट टाइम में ही बजट बनाना और पैसों का सही मैनेजमेंट सीख लिया जाए तो फ्यूचर आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि छात्रों को शुरू से ही मनी मैनेजमेंट पर ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य की दिक्कतों से दूर रहा जा सके और छात्र आसानी से धनवान बन सकें। अच्छी फाइनेंशियल आदतें न केवल आपको कर्ज के जाल में फंसने से बचाती हैं, बल्कि आपको अपने टारगेट को प्राप्त करने में भी मदद करती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको धनवान बना सकते हैं।

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग्स की आदत डालना फ्यूचर के लिए सबसे मजबूत नींव हो सकती है। सेविंग्स को कभी भी जो बचेगा, वही बचाऊंगा की सोच से ना देखें, बल्कि इसे अपनी प्रायोरिटी बनाएं। छोटे-बड़े बचत लक्ष्य तय करें। जब कोई टारगेट तय होता है तो बचत करना आसान और प्रेरणादायक लगता है। हमेशा ट्राई करें कि आपकी आय का 10% या 20% हिस्सा सीधे बचत खाते में डालें।

अपनी इनकम को ट्रैक करें

हर छात्र को अपने फाइनेंशियल लाइफ की शुरुआत सबसे पहले अपनी इनकम और खर्चों को ट्रैक करना चाहिए। चाहे पॉकेट मनी हो, स्कॉलरशिप या पार्ट-टाइम जॉब की आमदनी हो, सबका हिसाब रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप एक छोटी डायरी, कोई बजटिंग ऐप या एक्सेल शीट का सहारा ले सकते हैं। स्टूडेंट रोजमर्रा के छोटे-छोटे खर्च जैसे स्नैक्स, ऑटो किराया या ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन को भी मेंशन करें। यह आदत आपको अपनी फिजूलखर्ची समझने और उसे नियंत्रित करने में मदद करेगी, जिससे पैसों की बचत हो सकेगी।

आवश्यकताओं और इच्छाओं में अंतर समझें

अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें-स्टूडेंट लाइफ में आर्थिक समझ को समझना बेहद जरूरी है, और इसकी शुरुआत होती है 'आवश्यकताओं' और 'इच्छाओं' के फर्क को समझने से। आवश्यकताएं वो खर्चे होते हैं जो लाइफ के लिए जरूरी हैं-जैसे ट्यूशन फीस, किताबें, रूम रेंट, खाना और आना-जाना, जबकि, इच्छाएं वो चीजें हैं जो केवल सुख-सुविधा के लिए होती हैं, जैसे बाहर खाना, फिल्म देखना या नया गैजेट खरीदना, तो जब आप इन दोनों के बीच फर्क पहचान लेंगे, तो आप अपनी जरूरत पर फोकस करके जरूरी खर्चों पर लगाम लगाकर बेहतर फाइनेंशियल कंट्रोल बना सकते हैं।

50/30/20 का बजट बनाएं

अपनी इनकम और खर्चों को समझने के बाद अगला जरूरी कदम है एक सही मंथली बजट बनाया जाए। आप अपनी मासिक आय के अनुसार भोजन, कन्वेंशन, पढ़ाई की चीजें और मनोरंजन जैसी लिस्ट के लिए अलग-अलग पैसे तय करें। यह ध्यान रखें कि आपके कुल खर्च आपकी कुल आमदनी से अधिक ना हों। बजट बनाने के लिए आप 50/30/20 रूल का पालन कर सकते हैं, जैसे 50% राशि आवश्यकताओं पर, 30% इच्छाओं पर और 20% सेविंग्स या किसी भी लोन की चुकौती के लिए रखें।

स्मार्ट खरीदारी करें और रियायतों का लाभ उठाएं

पैसों की बचत के लिए रियायतों और डील्स का समझदारी से यूज करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। जहां तक हो हमेशा अपने स्टूडेंट आईडी कार्ड को साथ रखें और **wherever possible** उसे दिखाकर छूट पाने की कोशिश कर सकते हैं। आप किराने का सामान थोक में खरीदें और ऑफर्स या सेल पर नजर रखना चाहिए, इतना ही नहीं महंगे ब्रांड्स की बजाय सामान्य ब्रांड चुनना अधिक बजट-फ्रेंडली होता है।

एक्स्ट्रा इनकम के ऑप्शन खोजें

अगर आपका बजट लिमिटेड है तो खर्चों पर नियंत्रण के साथ-साथ इनकम बढ़ाने के ऑप्शन ढूंढें। आप पार्ट-टाइम जॉब जैसे ट्यूटरिंग, कैंपस असिस्टेंटशिप या फ्रीलांसिंग का ऑप्शन चुन सकते हैं। साथ ही आपकी हॉबी भी कमाई का जरिया बन सकती है—जैसे ऑनलाइन कंटेंट बनाना, हैंडमेड क्राफ्ट्स बेचना या ब्लॉगिंग करना।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अचानक आने वाले खर्चों के लिए हमेशा तैयार रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि मेडिकल इमरजेंसी, लैपटॉप खराब होना या कोई भी अचानक से कोई भी खर्चे सामने आ सकते हैं। इसके लिए आप एक अलग बचत खाता खोलकर उसमें धीरे-धीरे थोड़ी-थोड़ी राशि जमा करें। ऐसा करने से आपको महंगे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छात्र बजट बनाना, खर्चों की प्राथमिकता तय करना और हर महीने की सेविंग्स तय करना सीखकर फाइनेंशियल मैनेजमेंट की शुरुआत कर सकते हैं।

10 अगस्त
जीवेत शरद: शतम्
वैशालीनगर विधानसभा के नायक
हमारे यशस्वी विधायक
श्री रिकेश सेन जी
को जन्मदिन की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं।
प्रेमचंद देवांगन
आलोक जैन
मोहनलाल कुकरेजा
गुंजन देवांगन
अंकित जैन

आवरण कथा
ओम निश्चल

79वां स्वतंत्रता दिवस

आजादी की फलश्रुति

हम सब देशवासी आगामी 15 अगस्त 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएंगे। कदम-कदम आगे बढ़ते हुए हमने कई अभूतपूर्व सफलताएं हासिल कीं, नए-नए मुकाम को छुआ। हम निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर भी हैं। लेकिन आज भी देश में कुछ ऐसी चुनौतियां बरकरार हैं, जिनका निवारण किए बिना हम अपना प्राचीन गौरव प्राप्त नहीं कर पाएंगे। इसके लिए देश के हर नागरिक के मन में स्वाधीनता के प्रति सम्मान भाव होना अत्यंत आवश्यक है।

एक-एक कदम हौले-हौले चलते हुए हम सब भारत देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। एक लंबी यात्रा हमने आजादी के बाद तय कर ली है। 1947 से 2025 तक की स्वातंत्र्योत्तर यात्रा में देश ने तमाम क्षेत्रों में बहुत तरक्की की है, कृषि उत्पादन एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की है वरना एक ऐसा दौर था, जब गेहूं भी अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उद्योग धंधों के क्षेत्र में भी लघु उद्योग सेक्टर और मझोले उद्योगों की स्थापना एवं विकास में देश ने मजबूती से कदम रखा है। तकनीकी सामर्थ्य की दिशा में भी देश ने अग्रतर स्थिति हासिल की है। आजादी के बाद बनी पंचवर्षीय योजनाओं के फलस्वरूप हर क्षेत्र में देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हुआ। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े बांध बने, विद्युत परियोजनाएं लगाई गईं, सिंचाई के लिए नहरों का संजाल तैयार किया गया। बड़े-बड़े हाईवेज बने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ ताकि हर व्यक्ति को बैंकिंग योजनाओं का लाभ मिले। यानी, आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है।

हर वर्ग ने निभाई अपनी भूमिका: आजादी की लड़ाई किसी एक व्यक्ति, मजहब, संस्कृति या समुदाय ने नहीं लड़ी थी। इसमें तैंतीस करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी रही थी। राजनैतिक आजादी तो सन 1947 में ही हमें मिल गई थी। लेकिन आजादी का मिलना तब सार्थक हो सकता है, जब सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हर क्षेत्र में देश तरक्की, करता हुआ दिखे। यों तो इस आजादी को हासिल करने में नेता, पत्रकार, किसान, मजदूर, किशोर, युवा, वृद्ध, स्त्री-पुरुष सबका योगदान रहा। उसके परिणामस्वरूप ही हमें आजाद भारत मिल सका। आजादी के बाद हासिल उपलब्धियों को तो हम सब देखते ही हैं, लेकिन एक लेखक हर क्षेत्र में आजादी की आकांक्षाओं के प्रतिफल को गहराई से महसूस करता है। वह नेता, अभिनेता, चिंतक, समाजशास्त्री एवं अर्थशास्त्री आदि अनेक भूमिकाओं में होता है। वही होता है, जो बिना लाग-लपेट के देश की वाकई तरक्की को अपने मानक पर कसता है, तभी वह दुष्यंत कुमार के शब्दों में यह लिख सकता है-*यहां तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियां। हमें मालूम है पानी कहां ठहरा हुआ होगा।*

दुर्भाग्यवश धीरे-धीरे कलमकार भी अपनी नैतिकता भूलते गए। इसी पर कवि गोपाल सिंह नेपाली ने अपने एक गीत में लिखा है-
तुझ-सा लहरों में बह लेता/ तो मैं भी सत्ता, गह लेता/ ईमान बेचता चलता तो/ मैं भी महलों में रह लेता/ हर दिल पर झुकती चली मगर/ आंसू वाली नमकीन कलम/ मेरा धन है स्वाधीन कलम/ आजादी मिलने का मोह भंग भी हुआ।

धीरे-धीरे लेखक की स्वाधीन चेतना भी सुप्त हो गई, उसकी कलम पूंजीपतियों और इजारेदारों के गुण गाने लगी। यही वजह है कि विभाजन के दंश और आजादी के लिए 1857 से किए गए संघर्ष के बाद और जलियांवाला बाग के नृशंस हत्या कांड के बाद मिली आजादी का फल लूटने में होड़ लग गई। देश बनाने वाले और उसे स्वाधीन कराने वाले तो नेपथ्य में चले गए और स्वार्थी लोग चांदी काटने लगे।

आजादी मिलने के बाद आजादी मिलने का मोहभंग भी उतना ही प्रभावी हुआ और होता गया। यह ऐसा ही दौर था, जब 'मैला आंचल', 'पानी के प्राचीर' और 'राग दरबारी' जैसी रचनाएं लिखी गईं। लिहाजा आजादी मिलने की उपलब्धियों की बंदरबांट होने लगी।

आजादी के शुरुआती दौर में अज्ञेय जैसे कद्दावर लेखक ने भी एक निबंध में लिखा था, 'मिला सब कुछः सब बेपेंदी का। शिक्षा मिली उसकी नींव, आत्म गौरव नहीं मिला, राष्ट्रीयता मिली, उसकी नींव, अपनी ऐतिहासिक पहचान नहीं मिली, यानी आजादी में जन्मे-पले मुझको- आजादी के आदि पुरुष को चेहरा मिला, व्यक्तित्व नहीं मिला... और बिना व्यक्तित्व के चेहरा क्या होता है? स्पष्ट है कि वह फकत चेहरा होता है। पहन लो, उतार लो, उस पर अलकतरा पोत दो चूना लगा दो... और यही सब तो हम कर रहे हैं... हर कोई कर रहा है।' (कवि मन, पृष्ठ 63) हमारे समय के एक बड़े कवि का यह विक्षुब्ध कथन है आजादी और उसकी फलश्रुति को लेकर।

क्यों बंटते गए दायरों में हम: यह सोचने की बात है कि जिस जज्बे से आजादी पाने के लिए हर नागरिक संघर्षरत था। सभी धर्म, संप्रदाय, जाति, वर्ण के लोग, यहां तक कि पूंजीपति भी देश की आजादी के लिए तन, मन, धन से लगे थे। सभी में राष्ट्रीय चेतना की अलख जग रही थी। भले आजादी के महासमर में गांधी, सुभाषचंद्र बोस, नेहरू और पटेल जैसे चंद बड़े नायक ही नजर आते हों पर आजादी की लौ जलाने में सभी का बराबर का हाथ रहा है। किंतु क्या हमने कभी सोचा कि इस आजादी का हमने क्या किया? हम मजहबी संकीर्ण दायरों में बंटते गए, हम वर्णों, जातियों, नस्लीय भेदभाव में बंटते गए, हम उत्तर-दक्षिण में बंटते गए। जिस आजादी के लिए सबका खून-पसीना बहा, उस आजादी की हम कीमत वसूलने में लग गए। भारत माता के लिए इससे बड़ी चिंता की बात क्या हो सकती है।

वैश्विक शक्ति बनने का सामर्थ्य: इतनी विषमताओं के बावजूद, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।' भारत विश्व की कूटनीति के सम्मुख अडिग होकर खड़ा रह पाया है तो यह इसकी सफल विदेश नीति का ही परिचायक है। देखते-देखते देश तरक्की की पायदान पर अग्रसर है। देश तमाम क्षेत्रों में आत्मीनिर्भर हुआ है, जहां सुई तक नहीं बनती थी, आज हम अनेक चीजें, शोधित तेल, खाद्यान्न, वस्त्रादि विदेशों को निर्यात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रभुत्व में सिलीकॉन वैली के भारतीय तकनीकविदों की बड़ी भूमिका है। भारत आजादी के इन अठहत्तर सालों में आज आर्थिक स्तर पर एक महाशक्ति बन चुका है। सैन्य शस्त्रों और अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में हम निरंतर नए क्षितिज को स्पर्श कर रहे हैं। यही नहीं सदियों पुरानी अपनी संस्कृति व ज्ञान परंपरा के नाते हम विश्वगुरु बनने का भी सामर्थ्य रखते हैं। यह ऋषियों, संतों, महात्माओं की तपोभूमि रही है, यह अपरिग्रह, सदाचार, अहिंसा और सर्वधर्मसमभाव की भूमि है। हमने पूरी विश्व-वसुधा को मानवता के नाते एक समझा है। हमने विश्व के कमजोर मुल्कों का हर मुसीबत में साथ दिया, हर स्तर पर विश्व शांति की पहल और अपीलें की हैं। हमने विश्व स्तर पर रंगभेद का विरोध किया। इसीलिए विश्व में हमारी सबसे अलग प्रतिष्ठा है।

सशक्त राष्ट्र निर्माण में निभाएं भूमिका: हालांकि अभी हमारे सम्मुख चुनौतियां भी कम नहीं हुई हैं। चिंता इस बात की है कि दलीय संकीर्णताएं ज्यादा हावी हैं, जाति, मजहब विचारधारा और सामाजिक स्तर पर लोग बंटे-बंटे से नजर आते हैं। आज आजाद हुए 78 साल हो गए हैं पर हम न भूलें कि अब यह बाहर से दिखने वाली गुलामी का दौर नहीं, यह सूक्ष्म गुलामी का दौर है- हमारी भाषा, हमारी संस्कृति, हमारे सोच पर हमले इतने सूक्ष्म हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है। ऐसे सूक्ष्म हमलों के प्रति हमें सावधान रहना है। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए हमें आपस में बांटने वाली सोच और अलगाववादी ताकतों से सावधान रहना होगा। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहां हर नागरिक स्वाभिमान का अनुभव कर सके और उसे यह लगे कि यह देश उसका है, उसके सुख-दुख का साथी और उसके हितों का पहरुआ है। तभी सही मायने में देश का हर नागरिक स्वयं को आजाद, समृद्ध और सुरक्षित महसूस करेगा। इसके लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर भूमिका निभाने के लिए संकल्पित होना होगा। *

सदियों के संघर्ष के बाद आर्थिक रूप से कमजोर देश रहा भारत, आज अगर विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना है तो इसके पीछे हमारा निरंतर संघर्ष और सही दिशा में किया गया प्रयास ही रहा है। कैसे हासिल की हमने यह उपलब्धि, उस पर एक नजर।

हर चुनौती को पार कर

हम बने आर्थिक महाशक्ति

उपलब्धि
लोकमित्र गौतम

ढाई शताब्दियों तक परतंत्र रहने के बाद जब 1947 में भारत आजाद हुआ, तो हमें राजनीतिक आजादी तो मिल गई, लेकिन आर्थिक आजादी अभी भी दूर का सपना था। इस राजनीतिक आजादी के लिए हमने विभाजन की जो विभीषिका झेली थी और ढाई शताब्दियों तक हमारा जिस तरह से औपनिवेशिक शोषण हुआ था, उस सबके कारण कृषि पर आधारित हमारी अर्थव्यवस्था बेहद पिछड़ी हुई थी और औद्योगिकीकरण का हमारे पास लगभग न के बराबर आधार था। ऐसे में आजादी के बाद भारत को अपनी आर्थिक दिशा खुद तय करनी थी। हर तरफ चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। लेकिन इन्हीं चुनौतियों के बीच से हमने 78 सालों में अपनी जो आर्थिक यात्रा तय की है, वह महज आंकड़ों का खेल नहीं है। वह हमारे 78 वर्षों की अथक मेहनत, आत्मावलोकन और साहसिक निर्णयों का परिणाम है।

फर्श से पहुंचे अर्श पर: हमारी आर्थिक उपलब्धि, किसी तरह की तुलना या इम्तिहान के लिए नहीं है। हमने पिछले 78 सालों में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो हमारे आत्मगौरव की जीती-जागती कहानियां हैं। साल 1947 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज की कीमतों पर महज 2.7 लाख करोड़ रुपए था। जबकि 78 सालों बाद आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2024-25 के आकलन के मुताबिक हमारा सकल घरेलू उत्पाद 33.2 लाख करोड़ रुपए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने 78 सालों में करीब 3100 फीसदी आर्थिक प्रगति की है। ये उपलब्धियां और ये आर्थिक विकास हमने पिछले 78 सालों में दिन-रात की मेहनत के बाद हासिल किया है।

करना पड़ा कठिन संघर्ष: जब भारत से अंग्रेज गए थे, तो हमारा औद्योगिक उत्पादन नगण्य था। हमारा बुनियादी ढांचा पूरी तरह से ध्वस्त था, क्योंकि आजादी के लिए हमने 1857 से लेकर 1947 तक यानी 90 साल तक युद्ध लड़ा था। इस कारण अंग्रेज इस दौरान भारत के अधिक से अधिक संसाधन लूटकर इंग्लैंड ले गए थे और जब उनको ये मालूम पड़ा कि वह अब भारत में नहीं रह सकते, तो उन्होंने हमारे बुनियादी आर्थिक विकास पर विशेषकर औद्योगिक विकास पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया बल्कि अपने ढाई सौ सालों के कार्यकाल में उन्होंने जो आर्थिक ढांचा खड़ा किया था, उसे भारत से जाने के पहले बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। जिस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था, हम मूलतः कच्चा माल आपूर्ति करने वाले एक उपनिवेश देश भर थे। इसलिए जरूरी था कि आजादी के बाद भारत का पूरी तरह से आर्थिक पुनर्निर्माण होता और ऐसा ही हुआ।

निरंतर बढ़ते रहे आगे: साल 1950 से 1980 के दौरान भारत ने नियोजित अर्थव्यवस्था की जबर्दस्त कीमत चुकाई। क्योंकि योजनाबद्ध ढंग से विकास करने का एकमात्र यही रास्ता था। जिस कारण लंबे समय तक हमारी आर्थिक विकास दर 3 से 3.5 के बीच रही। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी विकास दर के दौरान हम परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, हरित क्रांति और देश में भारी उद्योगों का निरंतर जाल भी बिछाते रहे, जो हमारी अथक मेहनत और दूरदृष्टि का नतीजा था।

लागू किए आर्थिक सुधार कार्यक्रम: 78 सालों के विकास क्रम को देखें तो 1991 के बाद वैश्विक दबावों के बीच हमने आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए, विशेषकर 1991 में तब, जब हमारे पास सिर्फ 15 दिनों के आयात भर के लिए विदेशी मुद्रा शेष थी। उस समय हमने आईएमएफ के पास अपना सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया और आज स्थिति यह है कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 650 अरब डॉलर से भी ज्यादा का है। 2024 में तो एक समय यह 724 अरब डॉलर की ऊंचाई को भी पार कर गया था। आज भारत आईटी, फार्मा, रक्षा, डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आर्थिक ताकत है।

दूर करनी होंगी कमजोरियां: हालांकि हमारी अर्थव्यवस्था की कुछ बड़ी कमजोरियां भी हैं, जो आज भी हमें प्रतिव्यक्ति आय के मामले में दुनिया के गरीब देशों की कतार का हिस्सा बनाती हैं। आज भी भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार नहीं है, जिस कारण गांवों से शहरों की ओर तूफानी रफ्तार से पलायन हो रहा है। हमारे देश के असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों की आज भी पहाड़ सरीखी चुनौतियां हैं और आज भी हमारे विदेशी मुद्रा भंडार का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कच्चे तेल के आयात पर खत्म होता है। बावजूद इसके भारत आज अपने आपमें एक आर्थिक शक्ति है। साल 2017 के बाद से अब तक हम दुनिया के सर्वाधिक तीव्र गति से विकास करने वाले देश हैं। *

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

शोभित,सुरभित,तेजमय,पावन अरु अभिराम।
राष्ट्र हमारा मान है, लिए उच्च आयाम।।

राष्ट्र-वंदना मैं करूं, करता हूं यशगान।
अनुपमेय, उत्कृष्ट है, भारत देश महान।।

नदियां, पर्वत, खेत, वन, सागर अरु मैदान।
नैसर्गिक सौंदर्यमय, मेरा हिंदुस्तान।।

लिए एकता अति मधुर, गीता और कुरान।
दीवाली-होली सुखद, एक्यभाव-पहचान।।

सारे जग में शान है, मान रहा संसार।
राष्ट्र हमारा है प्रखर, फैलाता उजियार।।

मातु-पिता, गुरु, नारियां, पातीं नित सम्मान।
संस्कार मम राष्ट्र की, है चोखी पहचान।।

तीन रंग के मान से, हैं हम सब अभिभूत।
राष्ट्रवंदना कर रहे, भारत मां के पूत।।

राष्ट्रप्रेम अस्तित्व में, आया नवल विहान।
कण-कण करने लग गया, भारत का यशगान।।

भारत की सीमाओं पर, जमे हुए हैं लाल।
शौर्य, वीरता देखकर, होते सभी निहाल।।

आजादी की वंदना, करता सारा देश।
आओ, हम रच दें यहां, वासंती परिवेश।।

सरोकार
शैलेंद्र सिंह

तब नई पीढ़ी भी समझेगी

स्वाधीनता की कीमत

देश की जो पीढ़ी पिछली सदी के अंत में या इक्कीसवीं सदी में जन्मी है, उसकी जीवनशैली कई मायने में विशिष्ट है। इसलिए उनको स्वाधीनमा की कीमत समझाने के लिए कुछ अलग प्रयास करने होंगे।

आजादी का मतलब सिर्फ गुलामी से मुक्ति भर नहीं होता। आजादी उस आत्मसम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की अनुभूति है, जो किसी भी समाज के पूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन जब हम आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर अपनी डिजिटल पीढ़ी यानी जेन जेड और अल्फा जनरेशन की तरफ नजर उठाकर देखते हैं, तो बहुत निराशा होती है, क्योंकि इन्हें आजादी की कीमत का मानो कोई भान ही नहीं है। दरअसल, इन पीढ़ियों के लिए आजादी एक डिफॉल्ट सेटिंग की तरह है। ये पीढ़ी किसी संघर्ष या बलिदान की विरासत की हिस्सेदार नहीं रही है और न ही इसे आजादी के लिए अपनी जिंदगी में किसी तरह की कोई कीमत चुकानी पड़ी है। ऐसे में इन्हें आजादी की कीमत भी समझ आए तो भला कैसे?

डिजिटल जनरेशन की दुनिया: हमारी जेन जेड और अल्फा जनरेशन वास्तव में डिजिटल जनरेशन है। इनकी दुनिया इसके पहले की पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इन्हें 24X7 मोबाइल चाहिए, रील चैटबॉट और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स भी चाहिए। इनके पास सूचना का अकूत भंडार है, लेकिन अपने अनुभवों की मुट्ठी भर पूंजी नहीं है। स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, पसंद का पहनावा और प्यार जैसी हर चीज पर इनका अधिकार है और इनको लगता है यह तो सब जन्मसिद्ध अधिकार है यानी, ये तो हर किसी को मिलते ही मिलते हैं। इनके दिमाग में कभी नहीं आता कि संविधान प्रदत्त अधिकार हमें कितनी कुर्बानियां देकर मिले हैं? हमारी पूर्वज पीढ़ियों को इन्हें पाने के लिए कितनी यातनाएं सहनी पड़ी थीं? न जाने कितने लोग जेल गए, न जाने कितने लोग जेल में ही मर गए, हजारों लोगों ने फांसी का फंदा चूमा। आजादी के लिए अपने सारे सपनों को दांव पर लगा दिया, तब कहीं जाकर हमें यह आजादी मिली है। लेकिन डिजिटल जनरेशन को इस सबका प्रायः कोई एहसास नहीं होता है।

नए जमाने की जीवनशैली: हालांकि यह नई जनरेशन संवेदनहीन नहीं है। जलवायु परिवर्तन के लिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए, लैंगिक समानता के लिए और जानवरों को लेकर संवेदनशीलता इस पीढ़ी में भी खूब है। मगर अपने जमाने के मुद्दों के लिए। नई पीढ़ी विरोध और विद्रोह करने से नहीं डरती बल्कि पिछली पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यवस्थित सुधारों और बदलावों की मांग करती है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि इसका ज्यादातर विरोध ऑनलाइन होता है या कहें यह ऑनलाइन विरोध के लिए खुद को ज्यादा फिट पाती है। वास्तविक धरातल पर इसे उतरना कम पसंद है। उनकी इस सोच के लिए नई पीढ़ी को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाली पुरानी पीढ़ी को भी कुछ बातें याद रखनी होंगी। पुरानी पीढ़ी के लोग सोचते हैं देश, दुनिया, इतिहास और वर्तमान को लेकर जिस तरह की सोच वो रखते हैं, वैसी ही यह नई पीढ़ी भी रखे। सवाल है, आज की पीढ़ी क्यों अपनी पिछली पीढ़ियों की तरह आजादी को लेकर संवेदनशील नहीं है?

पिछली पीढ़ी निभाए दायित्व: मध्य वय और बुजुर्ग वय से गुजर रही पीढ़ी को समझना होगा कि सिर्फ कुछ ऐतिहासिक घटनाओं की बात करने भर से नई पीढ़ी आजादी की लंबी लड़ाई को लेकर अपने पूर्वजों की कृतज्ञ नहीं हो जाएगी। हमें इस पीढ़ी को उन लाखों लोगों की सच्ची कहानियां भी बतानी होंगी, जो साधारण लोग थे और आजादी के लिए कुर्बान हो गए। हजारों किसान, लाखों मजदूर, आदिवासी, स्त्रियां, पत्रकार, आम दस्तकार और शिक्षक जैसे सैकड़ों विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने आजादी के लिए अपने आपको मिटा दिया। हमारी नई पीढ़ियां आजादी में सांस ले सकें, इसलिए पुरानी पीढ़ियों ने खुद को आजादी के संघर्ष की नींव में कैसे गला दिया। हमें नई पीढ़ी को बिना लाग-लपेट के, बिना किसी तरह के अतिवादी जिक्र के, इन आम लोगों के दुख दर्द को भी साझा करना होगा। हमें नई पीढ़ी को ये समझाना होगा कि लाखों जीवंत उदाहरणों से कि हमें जो आजादी मिली है, वह तर्क-वितर्क से नहीं मिली, वह कुछ गिने चुने लोगों के प्रताप से नहीं मिली बल्कि लाखों लोगों की कुर्बानियों से मिली है। जब हम अपनी नई जनरेशन को आजादी की लड़ाई लड़ने वाली पीढ़ी का समूचा ब्योरा सौंपेंगे, तब कहीं जाकर इस पीढ़ी में इस सबके प्रति संवेदना उमड़ेगी। हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि संविधान का उपहार हमें यूं ही नहीं मिल गया।

उनके सवालों का दें तार्किक जवाब: नई पीढ़ी अकसर सवाल पूछती है कि स्वाधीनता सेनानियों ने ऐसा क्यों नहीं किया? वैसा क्यों नहीं किया? तो हमें इस पीढ़ी को बताना होगा कि यह पूरा मसला महज कुछ चाहने और कह देने भर का नहीं था। ये बेहद जटिल और बेहद दुरुह मसले थे, इतना आसान नहीं है यह कहना कि फलां ने यह क्यों नहीं किया? कई बार इतिहास की कुछ विरासतें हमारे नियति का हिस्सा होती हैं। विभाजन भी ऐसी ही नियति थी। पुरानी पीढ़ी को जरूरत है कि वह नई पीढ़ी के लिए सिर्फ उपदेशक न बने, बल्कि इस बात की गहराई से पड़ताल करे कि आखिर उसे आजादी के अथक संघर्ष को लेकर उतनी संवेदनशीलता क्यों नहीं है, जितनी होनी चाहिए? तब हम नई पीढ़ी को आजादी की कीमत समझाने में सफल हो सकेंगे। अगर आज की नई पीढ़ी अपने तरीके से आजादी की परिभाषा गढ़ना चाहती है, तो यह उसका हक है। लेकिन जिन्होंने आजादी की लड़ाई में खुद को कुर्बान करके हमारे लिए स्वतंत्रता अर्जित की है, उन्हें यूं ही नहीं भूला जा सकता। पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी को इसके महत्व और इसकी संवेदनशीलता को समझाए। यह पीढ़ी तेज है, त्वरित अंदाज में निर्णय लेती है, इसलिए अगर इस पीढ़ी को यह बात सही तरीके से बता दी जाए कि हमें जो आजादी हासिल है, वह लाखों लोगों के बलिदान और देशभक्ति का नतीजा है, तो नई पीढ़ी को आजादी का पाठ पढ़ाना और उसके लिए पर्याप्त संवेदनशील बनाना इतना मुश्किल नहीं होगा। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

प्रतिबंधित पत्रकारिता के अनसुने किस्से

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सिर्फ आंदोलनकारी ही जेल नहीं भेजे गए बल्कि आंदोलन के समर्थन में पत्र-पत्रिकाएं निकालने वाले अनेक संपादकों को भी जेल में डाल दिया गया था। साथ ही अनेक अखबार या उनके विशेष अंक प्रतिबंधित कर दिए गए थे। ऐसे ही प्रतिबंधित अंकों की खोजबीन कर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के प्रोफेसर, संतोष भदौरिया ने उसे पुस्तक रूप दिया है, जिसका नाम है-अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता।

किताब भारत में स्वाधीनता आंदोलन के विकास की चर्चा से शुरू हुई है, जिसमें लेखक ने इसके विभिन्न चरणों के बारे में संक्षिप्त किंतु उपयोगी जानकारी दी है। इसमें लेखक ने स्वाधीनता आंदोलन के विभिन्न चरणों की विशेषताओं के साथ व्यावहारिक कमियों को भी उजागर किया है। साथ ही आंदोलन के उत्तरोत्तर विकास का क्रमबद्ध तरीके से वर्णन किया है। लेखक ने अंग्रेजी राज में प्रतिबंधित, प्रेस अधिनियम के चलते बंद या आर्थिक अभाव की वजह से बंद हुई सभी पत्र-पत्रिकाओं का लगभग पूरा इतिहास खंगालने का प्रयास किया है।

पुस्तक इस मायने में बेहद दिलचस्प है कि प्रतिबंधित पत्रिकाओं में छपे विचार, लेख, कविताओं के अंश भी इसमें दिए गए हैं, जिन्हें आज के समय में पढ़ना एक नए अनुभव से गुजरना है। उस दौर के लेखकों की क्रांतिकारी कविताओं को पढ़कर उस वक्त के भारतीय लोगों के मन में मौजूद राष्ट्रप्रेम के उफान को समझा जा सकता है। मिसाल के तौर पर 'बुंदेलखंड केसरी' में छपी एक कविता को देख सकते हैं, 'देख दशा भारत की हमने निश्चय मन में ठाना है। मातृभूमि की बलिवेदी पर निज बलिदान चढ़ाना है।' प्रतिबंधित पत्र-पत्रिकाओं के छपने के तमाम अनसुने किस्सों को पढ़कर यह पता चलता है कि किताब को लिखने के लिए लेखक ने शोध कार्य में कितना परिश्रम किया है। यह उनके परिश्रम का ही नतीजा है कि किताब ऐतिहासिक विषय पर आधारित होने के बावजूद कहीं भी बोझिल नहीं लगती है। यह पुस्तक उस दौर की प्रतिबंधित पत्रकारिता के क्रमिक इतिहास को सुगठित तरीके से प्रमाणित सूचनाओं के आधार पर प्रस्तुत करती है। *

किताब: अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता, **लेखक:** संतोष भदौरिया, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

जैकेट के शेष

जेलों में राखी बांधने .....

बांधने वाली प्रत्येक बहन को उपहार के रूप में एक पौधा प्रदान किया गया। रायपुर संभाग की जेलों में 1936 बंदियों को 4069 बहनों ने, दुर्ग संभाग की जेलों में 1634 बंदियों को 6174 बहनों ने, बिलासपुर संभाग की जेलों में 2419 बंदियों को 6585 बहनों ने, सरगुजा संभाग संभाग की जेलों में 931 बंदियों को 1577 बहनों ने तथा बस्तर संभाग की जेलों में 659 बंदियों को 996 बहनों ने राखी बांधी।

रेलवे ने तैयार ....

का निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत कई शर्तों के साथ रेल किराए में छूट दी जाएगी। रेलवे बोर्ड ने इससे जुड़ा आदेश जारी कर दिया है। रेलवे ने इसे प्रायोगिक आधार पर आरंभ किया है।

फ्लेक्सी किराया वाली ....

लिए किराया वापसी की अनुमति नहीं होगी। रेलवे के मुताबिक किसी भी यात्रा में इन टिकटों में कोई संशोधन नहीं किया जा सकेगा।

एक रात में ...

में हुई वे सरकारी कर्मचारी परिवारों के क्वार्टर हैं। अधिकतर परिवार किसी निजी कारण से बाहर गए हुए थे। चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए एक-एक कर 10 घरों के ताले तोड़े और भीतर रखी कीमती वस्तुएं समेट ले गए। मोहल्ले में चारों ओर सन्नाटा और अंधेरा होने से किसी को भनक तक नहीं लगी।

पुलिस व अफसर मौके पर : सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी और उनकी टीम मौके पर पहुंची। थोड़ी देर में एसडीओपी भी घटनास्थल पर पहुंचे और एक-एक घर का निरीक्षण किया। पुलिस ने फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को बुलाकर सबूत जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

जांच के दायरे में संदिग्ध : पुलिस ने आसपास के इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, बीती रात इलाके में घूमने वाले संदिग्ध लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है।

पेज एक के शेष

किसान के बेटे को...

मोबाइल सेंटर से जियो का नया सिम खरीदा। मोबाइल संचालक शिशुपाल ने उन्हें नंबर 8103200 अलॉट किया। व्हाट्सऐप इंस्टॉल करने के बाद डीपी में रजत पाटीदार की तस्वीर देखकर मनीष और उनके दोस्त खेमराज को पहले लगा कि यह कोई तकनीकी गड़बड़ी या मजाक है।

ऑपरेशन सिंदूर : हवा में...

भी भारतीय क्षेत्र में गिरीं। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया। वायुसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए हवाई अड्डे पर हमला किया गया और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया, जहां योजनाएं बनती हैं, और इसका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। जहां तक सुकूर एयरबेस का सवाल है, हमने यूएबी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। उन्होंने कहा, आपके पास यहां दृश्य उपलब्ध हैं - यह वह हैंगर है, जिसे ध्वस्त कर दिया गया है, यह पहले और बाद का रडार स्थल है। एडब्ल्यूसी हैंगर पर फिर से हमला किया गया। यहां हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि जहां हमला हुआ था, वहां एक विमान था।

ऑपरेशन सिंदूर से पाक को बड़ा नुकसान : वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटों के युद्ध में हमने पाकिस्तान को इतना नुकसान पहुंचाया कि उनको लग गया कि अगर युद्ध जारी रहा तो उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए पाकिस्तान आगे आया और हमारे डीजीएमओ को संदेश भेजा कि हम बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया।

पिता को मारा थप्पड़...

जहां पहले दोनों पक्षों में विवाद हुआ। इसके बाद निखिल ने चाकू से हमला कर दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी निखिल को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है। नेवई पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात नेवई स्थित दशहरा मंच पर किसी बात को लेकर निखिल और चिंतामणि उर्फ डब्बू साहू आपस में झगड़ पड़े। तभी निखिल ने डब्बू पर चाकू से हमला कर दिया। इसे देख बीच बचाव करने पहुंचे गौरव कोसरिया पर चाकू से हमला कर दिया। डॉयल 112 से घायल युवकों को तुरंत उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों युवकों ने दम तोड़ दिया। खबर लगने पर नेवई पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पीएम के लिए मरच्यूरी में रखवा दिया।

लकड़ी तस्करों ने किया...

आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि तीन की तलाश चल रही है। बताया जा रहा है कि वाड्रफनगर रजखेता निवासी विजय मरकाम आ.रामसिंगार गोड़ गांव में किराना दुकान संचालित करता है और युवक 6 अगस्त को घर से निकला था लेकिन वापस नहीं आया। परिजन युवक की तलाश कर रहे थे। इस दौरान 7 अगस्त को विजय मरकाम ने अपने भाई बृजेश सिंह को फोन कर सूचना दी कि उसका अपहरण कर लिया गया है। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने विजय मरकाम से मोबाइल फोन छीन कर 3 लाख रुपए की मांग की और फिर फोन काट दिया गया। 8 अगस्त की सुबह 9 बजे फिर से बृजेश सिंह के पास उसके भाई के ही मोबाइल नम्बर से फोन आया और फिर से 3 लाख रुपए की मांग की गई। फिरौती के लिए फोन आने के बाद परिजन दहशत में आ गए और घटना की शिकायत बसंतपुर पुलिस से की। घटना की सूचना मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी वैभव बैंकर ने आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस व साइबर सेल की टीम मोबाइल लोकेशन के आधार पर यूपी के लिए रवाना हुई थी।

लकड़ी का काम देखकर आने के नाम पर ले गए % विजय मरकाम को बरामद कर उससे पूछताछ की तो युवक ने बताया कि उसकी पहचान आरोपियों से एक अन्य युवक के माध्यम से हुई थी। इस दौरान आरोपियों ने 6 अगस्त को उसे प्रेमनगर चौक पर मिलने के लिए बुलाया और फिर लकड़ी देखकर आने के नाम पर स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक यूपी 64 बीबी 0342 से अपने साथ बैठाकर ले गए। यूपी पहुंचने के बाद एक युवक कार से उतर गया जबकि दोनों आरोपी उसे अपने साथ लेकर बीजपुर में घूमते रहे और फिर कहा गया मोबाइल टावर के पैनल रूम में बंद कर दिया गया। इस दौरान वहां दो अन्य युवक भी आए थे। युवक के अनुसार अपहरणकर्ताओं ने मुखबिर करने के नाम पर उठाया था और नुकसान की भरपाई के लिए 3 लाख रुपए की मांग की और रुपए नहीं देने पर जान से मारकर फेक देने की धमकी दी थी।

तस्करों ने दिया वारदात को अंजाम : इस मामले में पुलिस ने यूपी के बीजपुर बाजारपारा निवासी निवासी 34 वर्षीय सद्दाम अंसारी आ. सगीर अंसारी व 26 वर्षीय रोहित कुमार चौरसिया आ. स्व. शम्भू चौरसिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी रजखेता, चंदौरा सहित आस पास के जंगलों से पेड़ों की अवैध रूप से कटाई करने के साथ ही उसकी तस्करी उत्तर प्रदेश करते थे। आरोपियों को शंका थी कि विजय मरकाम ने मुखबिरी की थी जिससे उनको नुकसान हुआ। इस मामले में तीन अन्य तस्करों के शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस मामले में फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं दोनों आरोपियों को बीएनएस की धारा 140 (1), 58, 61, 3 (5), 127(7) के तहत गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार व मोबाइल फोन को जब्त किया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बसंतपुर जितेन्द्र सोनी, चौकी प्रभारी वाड्रफनगर धीरेन्द्र तिवारी, प्रधान आरक्षक पंकज पोर्ते, आरक्षक अनिल पण्डवार, विवेक कुमार सक्रिय रहे।

पहाड़ी कोरवा की जमीन...

नहीं हो पाएगा। बता दें कि बलरामपुर जिले के राजपुर अंतर्गत ग्राम भेस्की निवासी 65 वर्षीय भईरा राम आ. चुटरु पहाड़ी कोरवा ने 22 अप्रैल को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस की जांच में यह बात सामने आई थी कि भू माफिया विनोद अग्रवाल उर्फ मघु व उसके भाई प्रवीण अग्रवाल ने मृतक के संयुक्त खाते की जमीन को धोखे से शिवा राम के नाम पर 14 लाख रूपए में फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कराई। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के ग्रामीण की जमीन को कलेक्टर, एसडीएम की अनुमति के बिना ही बेच दिया गया। इस दौरान हल्का पटवारी ने बिना सक्षम अधिकारी के बिक्री चौहद्दी नक्शा बी-1 दिया गया और उप पंजीयक द्वारा बिना बिक्री अनुमति आदेश के ही पहाड़ी कोरवा की जमीन की रजिस्ट्री करा दी गई। ग्रामीण की भूमि हथियाने के बाद उसकी जमीन और मकान को खाली करने के लिए इतना डराया धमकाया गया व मारपीट की गई कि ग्रामीण ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने विनोद अग्रवाल उर्फ मघु व अन्य आरोपियों के खिलाफ दो अलग अलग प्रकरणों में बीएनएस की धारा 108, 3(5) व एसटी-एससी एक्ट की धारा 3(2)(5) व बीएनएस की धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2), 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया था। इस मामले में शिवा राम नगेशिया आ. स्व. इश्वर नगेसिया, उदय शर्मा आ. राम प्रवेश शर्मा और दलाल कमला पति प्रेमसाय, अमित कुमार गुप्ता आ. विजय प्रसाद गुप्ता, मघु अग्रवाल के भाई राजपुर निवासी महेंद्र अग्रवाल आ. जोगी अग्रवाल व पटवारी रजाउल हसन आ. स्व. नबी रसूल को गिरफ्तार किया था।

सुप्रीम कोर्ट में लगाई थी याचिका : अपराध दर्ज होने के बाद से ही आरोपी विनोद अग्रवाल उर्फ मघु फरार चल रहा है। उसने अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए जमानत याचिका दायर की थी। निचली अदालत, हाईकोर्ट में उसे जमानत नहीं मिली थी जिसके बाद उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

लुक आउट सर्कुलर : बड़ी बात यह है कि फरार चल रहे विनोद अग्रवाल उर्फ मघु के खिलाफ पुलिस ने लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) दो माह पहले ही जारी कर दिया था। लुक आउट सर्कुलर जारी होने के बाद आरोपी यदि हवाई या जल मार्ग से कहीं भागने का प्रयास करता है तो उसे कस्टम डिपार्टमेंट एयरपोर्ट या बन्दरगाह से पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर देगा।

दुनिया से चले जाने...

एक भावुक कर देने वाली कहानी का परिणाम है। दरअसल, अनमता जिन हाथों से शिवम के कलाई पर राखी बांध रही थी, उनमें से एक हाथ शिवम की बहन रिया का था। नौ साल की रिया की पिछले साल यानी 2024 में मृत्यु हो गई थी। सूरत स्थित एक गैर सरकारी संगठन की मदद से रिया का एक हाथ अनमता को प्रत्यारोपित किया गया था, जो शिवम के घर (वलसाड) से 180 किलोमीटर दूर गोरेगांव, मुंबई में रहती है। शिवम के पिता बॉबी मिस्त्री भावुक होकर कहते हैं कि हमने अनमता का हाथ छुआ और हमें ऐसा लगा जैसे वह रिया हो। उन्होंने बताया कि रिया हमारे पूरे परिवार में इकलौती लड़की थी। अनमता का हाथ छूकर हमें लगा जैसे हमारी बेटी अभी भी जिंदा है। बता दें कि अनमता दसवीं कक्षा में थी, जब एक हाई-टेंशन तार के संपर्क में आ गई थी।

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

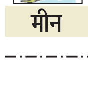
मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

सीमा पर मौजूद चुनौतियों के बीच रक्षा उत्पादन में भारत की बड़ी छलांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीमा पर मौजूद चुनौतियों और टैरिफ के संकट के बीच भारत का सरहदी सुरक्षा घेरा पूरी तरह से चाक-चौबंद बना हुआ है। जिसके पीछे की एक बड़ी वजह रक्षा उत्पादन में बीते वित्त वर्ष 2024-25 में हुई अब तक की सर्वाधिक बढ़ोतरी देखने को मिली है। जिसका आधिकारिक आंकड़ा शनिवार को रक्षा मंत्रालय ने जारी करते हुए बताया कि देश का रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ (1.51 लाख करोड़) के पार पहुंच गया है। जो कि 2023-24 के वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 18 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। वहीं, इस आंकड़े की तुलना वित्त वर्ष 2019-20 से करने पर यह बढ़ोतरी सीधे 90 फीसदी के साथ 79 हजार 71 करोड़ रुपए पर जा पहुंचती है।

मजबूत रक्षा औद्योगिक बेस का संकेतक

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कामयाबी के लिए रक्षा उत्पादन विभाग के अलावा अन्य सभी भागीदारों जैसे डीपीएसयू, पब्लिक सेक्टर मैन्युफैक्चरर और निजी उद्योगों के प्रयासों की सराहना की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मील के पत्थर समान ये सफलता भारत के लगातार मजबूत होते रक्षा औद्योगिक बेस से जुड़ा साक्षात सूचक है।

रक्षा निर्यात 23 हजार करोड़ के पार

रक्षा उत्पादन के साथ ही निर्यात के लिए भी बीता हुआ वित्त वर्ष काफी बेहतर साबित हुआ है। यह 2024-25 में 23 हजार 622 करोड़ रुपए पर जा पहुंचा। 2023-24 में ये आंकड़ा 21 हजार 83 करोड़ रुपए पर था। इस लिहाज से देखें तो ये वृद्धि 2 हजार 539 करोड़ यानी 12.04 फीसदी रही। मंत्रालय ने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे कहीं न कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिए रक्षा मैन्युफैक्चरिंग को दिया गया बढ़ावा शामिल है। आयात पर निर्भरता घटाकर रक्षा औद्योगिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण व इसकी मजबूती से न केवल देश की जरूरतों को पूरा किया गया। बल्कि दुनिया के बाकी देशों के लिए निर्यात का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। जिसके काफी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। नीतिगत सहयोग, निजी उद्योगों की भागीदारी और निर्यात क्षमताओं के विस्तार से ही भारत के रक्षा उत्पादन में यह वृद्धि संभव हुई है।

डीपीएसयू, पीएसयू की 77 फीसदी भागीदारी

मंत्रालय ने बताया कि रक्षा उत्पादन विभाग के उक्त रिकॉर्ड में डीपीएसयू और अन्य पीएसयू की भागीदारी 77 फीसदी है। जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 फीसदी रहा है। हालांकि निजी क्षेत्र की सहभागिता वित्त वर्ष 2023-24 के 21 फीसदी के मुकाबले बढ़कर 23 पर जा पहुंचा है। यह देश के रक्षा इकोसिस्टम में क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को भी प्रदर्शित करता है। उद्योग के निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्र साल दर साल विकास की ओर अग्रसर हैं। जिसमें मंत्रालय द्वारा किए गए नीतिगत सुधार काफी अहम साबित हुए हैं। क्योंकि इनकी मदद से व्यापार को बढ़ावा मिला और उसमें भी बीते दशक में सामरिक दृष्टि से स्वदेशीकरण पर काफी जोर दिया जा रहा है। वहीं, डीपीएसयू और निजी क्षेत्र के कुल उत्पादन में वित्त वर्ष 2024-25 में क्रमशः 16 फीसदी और 28 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

सेल SAIL

ईश्तहार (रा.प्र.क्र./202506101000194/अ-6, अ/वर्ष 2024-25)

इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202506101000194/अ-6(अ) वर्ष 2024 25 आवेदक - भिलाई इस्पात संयंत्र नगर सेवा विभाग दुर्ग ग्राम कोहका, प.ह.नं. 45. रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि पुराना खसरा नं. 20/1, 20/2, 20/3, 20/6, 25/3 नया खसरा नं. 804, 805, 808, 811, 813, 814, 815 रकबा 0.85, 0.98, 0.22, 0. 16. 0.08 कुल रकबा 2.29 में भिलाई इस्पात संयंत्र ने सिवरेज पाइप लाईन एवं पम्प हाऊस के लिये अधिग्रहित भूमि का भू-अभिलेख में दर्ज था। किन्तु वर्तमान भू-अभिलेख से विलोपित हो गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र के लिये अर्जित भूमि को पुनः भू-अभिलेख में भिलाई इस्पात संयंत्र दर्ज करने हेतु आवेदनमय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त संबंध में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 12.08.2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/06/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2025

दिनांक 07.08.2025 से 31.08.2025 तक
प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक

स्थानः- बी.टी.आई. ग्राउण्ड, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ प्रदेश के आकर्षक कोसा एवं कॉटन वस्त्रों का संग्रह

✦ कोसा साड़ियाँ ✦ ड्रेस मटेरियल ✦ कोसा जैकेट
✦ कॉटन साड़ियाँ ✦ सलवार सूट ✦ दुपट्टा ✦ दरी
✦ कुर्ता/पायजामा ✦ कॉटन बेड शीट ✦ खादी वस्त्र
✦ हस्ताशिल्प ✦ बेलमेटल ✦ टेराकोटा ✦ बाँसशिल्प
✦ माटीशिल्प की कलाकृतियाँ
✦ कम्बल.....

विशेष छूट 20%

आयोजकः ग्रामोद्योग विभाग छत्तीसगढ़ शासन

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित हो कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता भागवत पिता पूरन सतनामी, निवासी-ग्राम-चक्रवाय, तह-सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की मौजा- चक्रवाय, प.ह.नं. 001, रा.नि.मं. दामाखेड़ा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नम्बर क्रमशः 1126/2, 1137, 1138 रकबा क्रमशः 0.0160 हे., 0.2870 हे., 0.5670 हे. कुल खसरा 03, कुल रकबा 1.380 हे. को क्रय करने का पक्का सौदाकर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है, जिसका बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार में जिस किसी भी व्यक्ति, निकाय, बैंक या संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा या आपत्ति हो तो नीचे लिखे मेरे पते पर मय सुसंगत दस्तावेज 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद मेरा पक्षकार बैनामा का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेवेगा एवं पश्चात की गयी दावा या आपत्ति शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जानें।
स्थानः- रायपुर (छ.ग.)
दिनाँकः- 09/08/2025

भवदीय
यशवन्त यादव (अधिवक्ता)
विद्यापीठ के पीछे, कोटा
रायपुर (छ.ग.) 492010
मो. 9826811070

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित हो कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता गणेश पिता फिरन्ता सतनामी, निवासी-ग्राम-चक्रवाय, तह-सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की मौजा- चक्रवाय, प.ह.नं. 001, रा.नि.मं. दामाखेड़ा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नम्बर 1125/2 रकबा 0.2340 हे. को क्रय करने का पक्का सौदाकर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है, जिसका बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार में जिस किसी भी व्यक्ति, निकाय, बैंक या संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा या आपत्ति हो तो नीचे लिखे मेरे पते पर मय सुसंगत दस्तावेज 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद मेरा पक्षकार बैनामा का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेवेगा एवं पश्चात की गयी दावा या आपत्ति शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जानें।
स्थानः- रायपुर (छ.ग.)
दिनाँकः- 09/08/2025

भवदीय
यशवन्त यादव (अधिवक्ता)
विद्यापीठ के पीछे, कोटा
रायपुर (छ.ग.) 492010
मो. 9826811070

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित हो कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता जीवनलाल पिता फिरन्ता सतनामी, निवासी-ग्राम-चक्रवाय, तह-सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की मौजा- चक्रवाय, प.ह.नं. 001, रा.नि.मं. दामाखेड़ा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नम्बर क्रमशः 1121, 1125/1 रकबा 0.3610, 0.2410 हे. इस प्रकार कुल खसरा 2, कुल रकबा 0.6020 हे. को क्रय करने का पक्का सौदाकर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है, जिसका बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार में जिस किसी भी व्यक्ति, निकाय, बैंक या संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा या आपत्ति हो तो नीचे लिखे मेरे पते पर मय सुसंगत दस्तावेज 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद मेरा पक्षकार बैनामा का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेवेगा एवं पश्चात की गयी दावा या आपत्ति शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जानें।
स्थानः- रायपुर (छ.ग.)
दिनाँकः- 09/08/2025

भवदीय
यशवन्त यादव (अधिवक्ता)
विद्यापीठ के पीछे, कोटा
रायपुर (छ.ग.) 492010
मो. 9826811070

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में 47 उग्रवादियों को मार गिराया

पेशावर। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान सीमा के पास बलूचिस्तान प्रांत में पिछले दो दिनों में कम से कम 47 उग्रवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विभाग (आईएसपीआर) ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईएसपीआर ने बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने सात-आठ अगस्त की दरमियानी रात झोब जिले के संबाजा क्षेत्र में अभियान चलाकर 33 उग्रवादियों को मार गिराया। आठ-नौ अगस्त की दरमियानी रात अफगानिस्तान सीमा से लगे संबाजा के आसपास के क्षेत्रों में एक अन्य अभियान में 14 उग्रवादी मारे गए। आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए।

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित हो कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण श्रीमती बुधारा महेशिया, चमेली सभी पिता फिरन्ता सतनामी, निवासी-ग्राम-चक्रवाय, तह-सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की मौजा- चक्रवाय, प.ह.नं. 001, रा.नि.मं. दामाखेड़ा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नम्बर 1124 रकबा 0.1830 हे. को क्रय करने का पक्का सौदाकर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है, जिसका बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार में जिस किसी भी व्यक्ति, निकाय, बैंक या संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा या आपत्ति हो तो नीचे लिखे मेरे पते पर मय सुसंगत दस्तावेज 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद मेरा पक्षकार बैनामा का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेवेगा एवं पश्चात की गयी दावा या आपत्ति शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जानें।
स्थानः- रायपुर (छ.ग.)
दिनाँकः- 09/08/2025

भवदीय
यशवन्त यादव (अधिवक्ता)
विद्यापीठ के पीछे, कोटा
रायपुर (छ.ग.) 492010
मो. 9826811070

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित हो कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता महेश पिता फिरन्ता सतनामी, निवासी-ग्राम-चक्रवाय, तह-सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की मौजा- चक्रवाय, प.ह.नं. 001, रा.नि.मं. दामाखेड़ा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नम्बर 1125/3 रकबा 0.1610 हे. को क्रय करने का पक्का सौदाकर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है, जिसका बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार में जिस किसी भी व्यक्ति, निकाय, बैंक या संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा या आपत्ति हो तो नीचे लिखे मेरे पते पर मय सुसंगत दस्तावेज 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद मेरा पक्षकार बैनामा का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेवेगा एवं पश्चात की गयी दावा या आपत्ति शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जानें।
स्थानः- रायपुर (छ.ग.)
दिनाँकः- 09/08/2025

भवदीय
यशवन्त यादव (अधिवक्ता)
विद्यापीठ के पीछे, कोटा
रायपुर (छ.ग.) 492010
मो. 9826811070

कार्यालय नगरपालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय महात्मा गांधी सदन, गांधी मैदान के पास रायपुर, (छ.ग.)
कार्या. - 0771-2535780,90, फैक्स - 0771-2227395 E-mail: dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांकः /127/ उद्यान / 2025 दिनांक 08/08/2025

संशोधन

दिनांक 07/08/2025 को जारी रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) क्रमांक 126/ उद्यान/न.पा.नि. / 2025 त्रुटि सुधार पश्चात निम्नानुसार पढ़ा जायेः

नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा "Amrut Mitra" योजना अंतर्गत समूह चयन के स्व-सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI दिनांक 13/08/2025 को सायं 3.00 बजे तक स्पीड पोस्ट पंजीकृत डाक द्वारा रूम नम्बर 411 एन.यू. एल. एम. शाखा नगर पालिक निगम मुख्यालय के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रूपये 300.00 का भुगतान कर अथवा निगम के वेबसाईट http://nagarnigamraipur.nic.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

उपायुक्त
नगरपालिक निगम रायपुर

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान

राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2025-2026
खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूनियर विज्ञान में

इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को **22 और 23 नवंबर, 2025** को **भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (IAPT)** द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय मानक परीक्षाओं (NSE)** (विज्ञान विषयों के लिए) में शामिल होना होगा।

NSE में योग्यता प्राप्त करना संबंधित **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड 2026** में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।

नामांकन के लिए:
NSEs: https://www.iapt.org.in
(21 अगस्त – 14 सितंबर, 2025)

अधिक जानकारी के लिए: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in

CBC 48143/12/0005/2526

कार्यालय नगरपालिका परिषद गरियाबंद, जिला - गरियाबंद (छ.ग.)
दूरभाष 07706-241349 फैक्स नं- 07706-241349 Email - nagarpalikagariaband@gmail.com

क्रमांक / 574 / न.पा./ लो.नि.शा./ 2025-26 गरियाबंद, दिनांक 08/08/2025

ई-प्रोक्यूरमेट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद गरियाबंद द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्रं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	173481	लघु मरम्मत एवं छोटे-छोटे निर्माण कार्य (1.50 लाख तक)	30.00	02/09/2025 05.30 P.M.
2	173469	अध्यक्ष निधि (वित्तीय वर्ष 2025 - 26) अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्य (सी.सी. सड़क, नाली, पेवर ब्लॉक, पाईप लाईन, भवन निर्माण एवं मरम्मत)	35.00	02/09/2025 05.30 P.M.
3	173471	वार्ड क्रमांक 01 से 15 के पार्षद निधि (वित्तीय वर्ष 2025-26) अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्य (सी.सी. सड़क, नाली, पेवर ब्लॉक, पाईप लाईन, भवन निर्माण एवं मरम्मत)	50.00	02/09/2025 05.30 P.M.

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

एक कदम स्वच्छता की ओर

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, गरियाबंद
जिला - गरियाबंद (छ.ग.)

शब्द पहेली - 5954

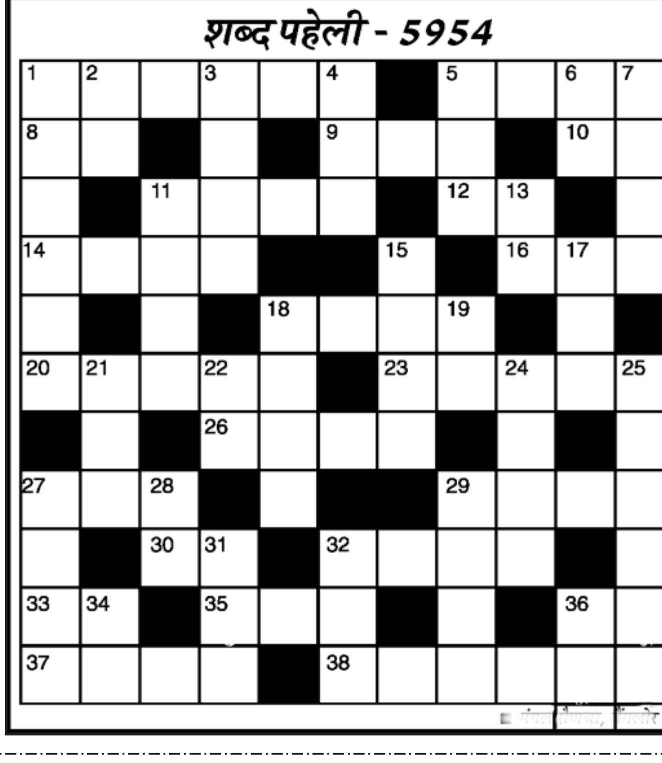

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 5953 का हल

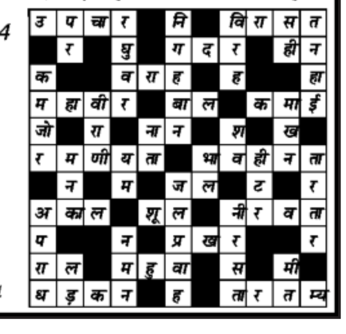

सूडोकु नवताल - 5964

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5963 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

तरकश

संजय के. दीक्षित

खटराल अफसर मौन सिस्टम 1000 करोड़ स्वाहा

स्वच्छ भारत मिशन याने 'एसबीएम' के पहले फेज में गांवों के हर घर में टॉयलेट बनवाना था। इसके बाद 2020 से 2025 के लिए शुरू सेकेंड फेज में भारत सरकार ने योजना का मोड बदलकर 'क्लीन विलेज' कर दिया। इसमें गांवों की साफ-सफाई के साथ टॉयलेट का मेंटनेंस, वेस्ट मैनेजमेंज आदि-आदि करना था। इसके लिए 250 करोड़ के हिसाब से चार साल में अभी तक पंचायत विभाग को 1000 करोड़ मिल चुका है। चूंकि घर-घर टॉयलेट का टास्क बड़ा था, इसलिए केंद्र ने कुल बजट का दो परसेंट सेटअप पर खर्च करने का प्रावधान रखा। सेकेंड मोड में जागरुकता का काम ज्यादा है, इसलिए प्रशासनिक खर्च के बजट में कटौती कर एक फीसदी किया गया। भारत सरकार ने यह भी कहा था कि एसबीएम-2 का सेटअप, बायलॉज बनाकर कैबिनेट से पारित कराया जाए, इसके बाद काम प्रारंभ करें। मगर छत्तीसगढ़ में बड़ा खेल हो गया। खटराल अधिकारियों ने न कैबिनेट से सेटअप अनुमोदित कराया, न प्रशासनिक खर्च का बजट कम कराया। जाहिर है, मामला कैबिनेट में जाता तो फिर आधे अधिकारियों, कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ती। सो, जिनकी कोई जरूरत नहीं, उन्हें उपकृत करने के लिए सिस्टम ने आंख मूंद लिया। और जहां 250 करोड़ के एक परसेंट के हिसाब से सेटअप पर खर्च होना था ढाई करोड़, वहां बहाया जा रहा नौ करोड़। याने भारत सरकार के तय प्रावधान से चार गुना अधिक। आलम यह है कि जिन अधिकारियों, कर्मचारियों की आवश्यकता नहीं, वे भी पिछले पांच साल से भारी-भरकम सैलरी उठा रहे हैं। पांच साल में प्रचार-प्रसार मद का करीब 35 करोड़ रुपिया सरप्लस अधिकारियों, कर्मचारियों को पगार देने में निकल गया। सवाल उठता है...पीएम मोदी के क्लीन विलेज जैसी ड्रीम योजना को पलीता लगाया जा रहा है, तो सिस्टम मौन क्यों है?

हास्यपद रिव्यू

मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ में क्लीन विलेज का टाईम एक साल बढ़ाकर अब छह साल कर दिया है। याने 2025-26 तक यह चलेगा। चूंकि टॉयलेट की साफ-सफाई और प्रचार-प्रसार के बजट से नियम विरुद्ध वेतन बांटे जा रहे हैं। इसको लेकर हाल ही में रिव्यू बैठक बुलाई गई थी। मीटिंग में बताया गया कि कुल काम का एक परसेंट वेतन पर व्यय करना है, लेकिन स्टाफ ज्यादा होने से दीगर मद के पैसे से वेतन बांटना पड़ रहा है। यह सुनते ही आईएएस अफसर ने कहा...ठीक है, खर्च बढ़ा दो। खर्च बढ़ेगा तो वेतन अपने आप बढ़ जाएगा। इसे हास्यपद जवाब ही तो कहा जाएगा। जिम्मेदार पद पर बैठे आईएएस अफसर को यह नहीं पता कि असली खेल क्या हो रहा है, और उसका निराकरण कैसे किया जाए।

कागजों में 'क्लीन विलेज'

छत्तीसगढ़ में 19 हजार के करीब गांव हैं, और 11 हजार ग्राम पंचायत। पांच साल में इन पंचायतों को क्लीन बनाने 1000 करोड़ खर्च हो चुके हैं। इस पैसे में घर-घर से कचरा उठाने सायकिल रिक्शे खरीदे गए...वेस्ट मैटेरियल को डिस्पोज किया गया...गांवों को रोज झाड़ू मार चमका दिया गया है...सफाई के लिए ग्रामीणों के व्यवहार में परिवर्तन लाने प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग्स से लेकर वॉल राइटिंग कराए गए हैं। पीएम मोदी के सपने के अनुरुप छत्तीसगढ़ के गांव गंदगी मुक्त हो रहे हैं...ये हम नहीं कह रहे। पंचायत विभाग के अधिकारी कहते हैं। दावों और हकीकत में फर्क अब आप कीजिए?

तरकश का इम्पैक्ट

पिछले 'तरकश' स्तंभ में सड़कों पर गायें, चीफ सिकरेट्री का गुस्सा और इस समस्या के समाधान पर अलग-अलग शीर्षक से प्रमुखता के साथ फोकस किया गया था। इसमें अब ताजा अपडेट यह है कि सरकार ने गोठान योजना की जगह गौधाम योजना लांच कर दिया है। तरकश में हमने बताया था कि पिछली सरकार की गोठान योजना अच्छी थी मगर उसका क्रियान्वयन दोषपूर्ण था, इस वजह से वह सफल होने से पहले फेल हो गई। विष्णुदेव सरकार ने योजना का नाम बदला ही है, प्रक्रिया में व्यापक रिफार्म करते हुए उसे सिस्टेमिक कर दिया है। फायनेंस से बकायदा बजट पास कराया गया है। वहीं, चरवाहे और गोसेवकों के लिए मानदेय का प्रावधान भी किया गया है। इससे ग्रामीण इलाकों के युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। पिछली सरकार में चूक ये हुई थी कि गोठान योजना को पायलट प्रोजेक्ट की बजाए सारे जिलों में एक साथ प्रारंभ कर दिया गया था, जिसका खामियाजा सरकार को उठाना पड़ा। गोठानों में देखभाल की समुचित व्यवस्था न होने से जगह-जगह गायों के मरने की खबरें आने लगी। दरअसल, तब मॉनिटरिंग सिस्टम नहीं के बराबर था। गौधाम योजना में ऐसा नहीं है। अभी इसे नेशनल हाईवे से लगे गांवों के आसपास बनाया जाएगा। वह इसलिए कि सबसे अधिक गायों की मौतें हाईवे पर हो रही है। पिछले हफ्ते ही तीन हादसों में 90 गायें जान गंवा बैठीं। कायदे से कोई भी योजना पायलट प्रोजेक्ट की तरह शुरू होना चाहिए। उससे खामियों को समझने का मौका मिल जाता है। खैर, चलिये...गौधामों से गौमाताओं का भला हो जाए... सड़क दुर्घटनाएं कम हो जाए।

उधार में खुफिया, एसीबी

छत्तीसगढ़ राज्य बने 25 साल गुजर गए। मगर अफसोस की बात ये कि नवोदित राज्य में न तो कभी वर्किंग कल्चर की बात हुई और न ही महत्वपूर्ण संस्थाओं को स्थापित करने का प्रयास किया गया। केंद्र द्वारा पैसा देने के बाद भी एक जिले में भी डिटेंशन सेंटर नहीं बनाया जा सका। जबकि, भारत सरकार ने सभी जिलों में इसे बनाने कहा है। जब बंगलादेशियों की धड़पकड़ तेज हुई तो पुलिस वालों के हाथ-पांव फुल गए कि उन्हें रखा कहां जाए। जाहिर है, उनके खिलाफ जब तक केस रजिस्टर्ड नहीं होगा, तब तक जेल भेजा नहीं जा सकता। इसलिए, केंद्र सरकार ने उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखने कहा था। और-तो-और किसी भी राज्य में सबसे महत्वपूर्ण खुफिया महकमा होता है। राज्य की छोटी-से-छोटी घटनाओं की दृष्टि रखने के साथ ही अघोषित तौर पर पॉलिटिकल घटनाक्रमों पर इसकी पैनी नजर रहती है। कह सकते हैं, खुफिया अधिकारी सरकार के आंख-नाक-कान होते हैं। दिन भर के घटनाओं पर इंटेलिजेंस अधिकारी मुख्यमंत्री को ब्रीफ करते हैं। मगर राज्य में 25 साल से इसमें कोई भर्ती नहीं हुई है। यही हाल, एसीबी और ईओडब्लू का है। जुगाड़ की व्यवस्था से ये दोनों एजेंसियां रन कर रही हैं। एसीबी में जो अफसर आता है, अपने हिसाब से अधिकारियों को ले आता है और फिर जब यहां से रिलीव हुए तो सबको रिलीव करा दिया...पिछले डेढ़ दशक से प्रदेश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी में यही चल रहा है। ये तब है, जब एसीबी और ईओडब्लू जीएडी में आता है। और, छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी को छोड़ दें हमेशा सीएम के पास रहता आया है। चलिये, विष्णुदेव सरकार ने रिफार्म की कोशिशें तेज की हैं, तो उम्मीद की जा सकती है कि छत्तीसगढ़ के संस्थागत डेवलपमेंट पर भी विचार किया जाएगा।

प्रभारवाद का वायरस

छत्तीसगढ़ में करप्शन की एक बड़ी वजह प्रभारवाद का वायरस है। सूबे में प्रभारवाद की बीमारी 2013 के बाद तेजी से पनपी। शुरू में पीडब्लूडी, इरीगेशन और पीएचई के ईएनसी से चालू हुई। तब सीनियर अफसरों के होते जूनियरों को चीफ बनाया जाने लगा। अब तो पराकाष्ठा हो गया है...स्कूल शिक्षा जैसा विभाग 80 परसेंट से अधिक प्रभार में चल रहा है। पिछले 10-12 साल से सूबे के 3300 स्कूल प्रभारी प्राचार्य के भरोसे चल रहे हैं तो 33 में 31 जिला शिक्षा अधिकारी प्रभारी हैं। स्वास्थ्य विभाग में 90 परसेंट डीन, एमएस, सीएमओ प्रभार में हैं। ऐसा नहीं है कि सीएमओ बनने लायक डॉक्टर प्रदेश में नहीं हैं, मगर जो मामला प्रीपेड, पोस्टपेड जैसे रिचार्ज प्लान से जुड़ा है, तो कोई क्या ही कर सकता है। दरअसल, पूर्णकालिक अफसर एक लिमिट से अधिक कंप्रोमाइज नहीं करता। मगर प्रभारी कुछ भी कर सकता है। उसे लगता है कि किसी भी दिन उसकी कुर्सी चली जाएगी। इसका फायदा यह होता है कि उससे जहां चाहे, वहां दस्तखत करा लो। सरकार अगर प्रभारवाद सिस्टम को खतम कर दें तो छत्तीसगढ़ में 25 प्रतिशत करप्शन एक झटके में खतम हो जाएगा।

अफसरों का टोटा

राज्य सरकार ने इसी हफ्ते 10 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया। लिस्ट में कुछ सलेक्शन बढ़िया थे मगर एकाध नाम को देखकर लगा कि सरकार के पास विकल्प का अभाव है। दरअसल, छत्तीसगढ़ में दिक्कत यह है कि नौकरशाहों की फौज तो खड़ी हो गई है मगर काम के लोगों की संख्या क्षीण है। आलम यह है कि सरकार हेल्थ में कुछ बदलाव करना चाहती है मगर ढंग का कोई विकल्प मिल नहीं रहा। राज्य बनने के बाद अभी तक आईएएस का 22 बैच आ चुका है। 150 से अधिक अफसर हो चुके हैं। सचिवों की संख्या ही 50 क्रॉस कर चुकी है। मगर वास्तविकता है है कि सभी 22 बैचों में दो-चार बैच ही ऐसा होगा, जिनमें 40 या 50 परसेंट अच्छे अफसर होंगे। वरना, एक या दो से ज्यादा नहीं। इसी में कलेक्टर से लेकर डायरेक्टर, सचिव, प्रमुख सचिव, अपर मुख्य सचिव शामिल हैं। आईएएस के कैडर में छत्तीसगढ़ जैसी खराब स्थिति शायद ही किसी राज्य में होगी। ऐसे में, सरकार के रणनीतिकार क्या कर लेंगे।

ब्यूरोक्रेसी जिम्मेदार-1

छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी को खराब करने में अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को कसूरवार माना जाता है। उन्होंने कैडर बंटवारे का ऐसा फार्मूला सेट किया कि 90 परसेंट अच्छे अफसर एमपी में रह गए...सारे रिजेक्टेड को छत्तीसगढ़ को टिका दिया। रही-सही कसर नौकरशाहीवाद ने खराब किया। एक तो मेजरटी गड़बड़ टाईप के अफसरों की बन गई, फिर जो मुट्ठी भर अच्छे अफसर थे, उन्होंने भी इसे रिफाइन करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। मध्यप्रदेश के समय एक सिस्टम बना हुआ था। कलेक्टर बनने से पहले एसडीएम, एडिशनल कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, फिर कलेक्टर। कलेक्टर अपने जूनियरों को जिम्मेदारी के साथ कार्यपद्धति सिखाते थे। मगर अब ये पुरानी बात हो गई। आज के अधिकांश कलेक्टर या सीनियर अफसर जूनियरों को जाम छलकाना और पैसे कमाना सिखा रहे हैं। दूसरी जो महत्वपूर्ण बात...तमाम गड़बड़ियों में लिप्त अपने अफसरों को लिमिट से ज्यादा बचाना। एक बार कलेक्टर कांक्लेव में आईएएस एसोसियेशन के प्रेसिडेंट मनोज पिंगुआ ने मंच से नए अफसरों के बिगड़े चाल पर कटाक्ष कर दिया था। मनोज पिंगुआ और ऋचा शर्मा ने पिछले दिनों मंत्रालय में एक मीटिंग कर अफसरों को आगाह किया था। मगर सिर्फ एक बार टोकने और मीटिंग करने से नहीं होगा। इसे कलेक्टर लेवल पर करना होगा। क्योंकि, नए अफसर सचिवों के संपर्क में बाद में आते हैं, पहले उनका साबका कलेक्टरों से पड़ता है। ढंग के कलेक्टर, अगर ढंग से जूनियरों को ट्रेंड करें तो अभी भी मौका है...आगे की पौध ठीक हो जाएंगी।

ब्यूरोक्रेसी जिम्मेदार-2

लगभग डेढ़ दशक पुरानी बात होगी। प्रमुख सचिव लेवल के एक अफसर मंत्रालय में पोस्टेड एक सचिव के बारे में काफी अंट-शंट बोलते थे। बिना किसी हिचक कहते थे...फलां बेहद भ्रष्ट है...वो...बिना पैसा लिए काम कर दिया तो बताना। मगर उस अफसर के यहां एक एजेंसी का छापा पड़ा तो सीनियर अफसर का सूर बदल गया। बोलने लगे...आईएएस के यहां कहीं छापा पड़ता है, हमलोग देश चलाते हैं...इसमें कुछ नहीं होगा। और, वहीं हुआ। अफसर का कुछ नहीं हुआ। सब सेट हो गया। मगर कुछ साल बाद सब कुछ हो गया। अफसर का बड़ा नुकसान हो गया। इस प्रसंग का लिखने का मतलब यह बताना है कि शुरू में ही जूनियर अफसर को अगर टोक-टाक कर ठीक कर लिया गया होता, तो कम-से-कम उसका कैरियर तो खराब नहीं हुआ होता।

आईएएस का ट्रांसफर

कलेक्टरों का ट्रांसफर होने की अटकलें काफी दिनों से चल रही थीं। मगर 10 अधिकारियों की लिस्ट निकलने के बाद अब नहीं लगता कि बहुत जल्द कलेक्टरों को तबादला किया जा सकता है। कह सकते हैं...फिलहाल उन्हें मोहलत मिल गई है। अब वे हिट विकेट हो जाएं तो बात अलग है। सिकरेट्री रैंक के आईएएस कार्तिकेय गोयल के डेपुटेशन पर पोस्टिंग से डायरेक्टर फूड और एमडी वेयर हाउसिंग का पद खाली हो गया है। सरकार को इन दो पदों पर जरूर पोस्टिंग करनी होगी।

अंत में दो सवाल आपसे

1. इन अटकलों में कोई दम है कि चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन को एक एक्सटेंशन और मिल सकता है?
2. डीजी पवनदेव का पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन से छह साल बाद भी ट्रांसफर नहीं हो रहा और एडीजी जीपी सिंह को पोस्टिंग नहीं मिल रही, क्या वजह है?

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अहलूवालिया हॉस्पिटल 8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोंपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Bhilai- 6267575723

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- Pratap Public Higher Secondary School (English Medium) Kailash Nagar Birgoan Required all subject Teacher to teach for High & Higher Classes. Contact:- 7974177186, 8962181101.(RO-365)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायपुर एवं रायगढ़ में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु 8,10 पास, हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले वेतन 14500 से 18000 रहना फ्री+ PF + ESIC + खाने की सुविधा. Mo. 9201958117, 9201958114.(RO-6764)

इंजीनियर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- फैक्ट्री हेतु इंजीनियर -3, मार्केटिंग -5,स्टोर कीपर -2, कंप्यूटर ऑपरेटर -2,हैल्पर,वेल्डर, फिटर की अवश्यकता है संपर्क -पाल बॉडी वर्क्स, टाटीबंध चौक, रायपुर । मोबाइल - 9039857933, 9685697933. (RO-204)

ड्रायवर

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में -(1)कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर (2) ऑफिस बॉय/ऑफिस गर्ल/ गार्ड की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें:- 9893132000 / 8878228031.(RO-363)

आवश्यकता है- घरेलु/ऑफिस कार्य हेतु कार चलाने के लिए ड्रायवर की आवश्यकता है शांति नगर के आसपास के रहवासी को प्राथमिकता वेतन 10000/- से 13500/- बाहर वाले को रहने की सुविधा DRIVING LICENSE 2021 से पहले का हो कार्य समय सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक संपर्क श्री मेडिकल एजेंसी 28 पुराना मेडिकल काम्पलेक्स मों.- 9300227050.(RO-6763)

केयर/टेकर

आवश्यकता है- बेबी केयर/ बुजुर्ग केयर हेतु लड़की/ महिला एवं पुरुष केयर टेकर की तुरन्त आवश्यकता है वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क करें- फैमिली केयर, रायपुर, 7389066521.(RO-38414)

सुरक्षागार्ड/ड्रायवर

आवश्यकता है- मंदिर हसौद, रायपुर के ग्राम कूटेसर में सब्जी बाड़ी+सुरक्षा गार्ड कार्य हेतु छोटा परिवार और कार ड्राइवर। रहने, खाने पीने की व्यवस्था उपलब्ध। वेतन 10000+योग्यतानुसार। 9300049800, 9300049800.(RO-201)

ऑफिस/ड्रायवर कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस सहायक हेतु युवकों की पद 150, वेतन 10000 एवं ड्राइवर भी चाहिए पद 10 वेतन 15000 उम्र 20 से 30वर्ष अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- देवपुरी रायपुर 9870589898, 9302708426, 8448107841.(RO-38413)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

कुक

आवश्यकता है- रसोईया / कुक (शाकाहारी) की आवश्यकता है फ्लैट में खाना बनाने हेतु आवश्यकता है। वेतन 10000/- से 13500/- रेस्टोरेंट में काम किए हुए को प्राथमिकता रहने की सुविधा संपर्क- श्री मेडिकल एजेंसी 28 पुराना मेडिकल काम्प्लेक्स रायपुर (छ.ग.) मो. 9993866088 (RO-6766)

टीचर

Wanted Teachers- CBSE School rrquired TGT-ENGLISH, HINDI, SST, MATHS, DRAWING Walk-in- interview on 11th August 2025 between 10:00AM to 12:00 Noon at Jain Public School, Devpuri, Raipur (RO-1652)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो ग्वालियर में रह कर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस प्रमोशन+ ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना मो. 9039470547, 88155 22974 (RO-6761)

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में आफिस कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार कॉल / मेसेज 7999847673 समय - 12 से 5 तक (आरो न.-794)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

लोडिंग/अनलोडिंग

आवश्यकता है- खुशखबरी ईकॉमर्स हब में लोडिंग अनलोडिंग, पार्सल छाटने हेतु 8वी, 10वीं पास लड़कों की सीधी भर्ती (इमेडियेट ज्वाइनर्स) इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा सहित मिले- श्री वासु लॉजिस्टिक्स लिमिटेड रायपुर तेंदुआ हीरापुर रिंगरोड नंबर-4, मो.- 7000681299, 9201956171.(RO-38418)

हॉस्टल/पी जी

उपलब्ध है- भटगांव बस स्टैंड ISBT के समीप लड़कियों/ महिलाओं हेतु सर्वसुविधायुक्त हॉस्टल/ पीजी बेड मात्र 2700 प्रतिमाह एवं 300 प्रतिदिन में उपलब्ध DRD लेडीज हॉस्टल संपर्क -I-1, साईं विला भाटागांव 9827898889.(RO-6765)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9798472261.RO-(1092)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- संतोषी नगर रायपुर में डबल मंजिला मकान 700 स्केयर फिट नीचे पार्किंग, हाल, कमरा, किचन, बाथरूम ऊपर बालकनी हाल, कमरा, किचन, बाथरूम कीमत 17 लाख 15 में मांग डाले हैं 16 में बेंच दुंगा 9617879804. (RO-6850)

मकान बेचना है-चंगोरा भाटा रायपुर स्थित दो मंजिला मकान,(रूबी साड़ी सेंटर के बाजू में) बेचना है। संपर्क करें-7489860569.(RO-6755)

हरिभूमि

वैवाहिकी वधु चाहिए

Vishwakarma Boy DOB: June 1980 / 5'7" Own Business In Noida seeks homely girl, no dowry, caste no bar
Whtsapp: 9407984000, 9995552924

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL-

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

खबर संक्षेप

एरिगेसी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन

एरिगेसी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन को हराकर क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के तीसरे दौर के बाद अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन शीर्ष पर काबिज हैं। मास्टर्स वर्ग में राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में छह दौर और बाकी हैं। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी के 2.5 अंक हैं जबकि कीमर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में कार्तिकेयन मुरली के खिलाफ एक और जीत हासिल करने के बाद तीन अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

अहलावत 25वें स्थान पर, शुभंकर कट से चूके

एबेरडीन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने डीपी वर्ल्ड टूर पर नेक्सो चैंपियनशिप के दूसरे दौर में इवन पार के कार्ड के साथ कट हासिल किया। अहलावत ने अपने पहले दौर के 73 के कार्ड में 72 के कार्ड का इजाफा किया, जिससे दो दिन में उनका स्कोर एक ओवर हो गया। इससे वह संयुक्त 25वें स्थान पर हैं।

टेस्ट सीरीज 2-0 से जीता, जिम्बाब्वे को एक पारी और 359 रन से रौंदा

न्यूजीलैंड ने दर्ज की इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी जीत, जिम्बाब्वे 117 पर सिमटी

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में जिम्बाब्वे टीम 117 रन पर सिमट गई। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ये पारी और रनों के अंतर के मामले में अब तक की तीसरी सबसे बड़ी जीत भी है।

जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में दिखाया गेंद से कमाल

दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी पहली पारी 3 विकेट के नुकसान पर 601 रन बनाकर घोषित कर दी थी, जिसके बाद तीसरे दिन के खेल में कीवी टीम की तरफ से अपना डेब्यू टेस्ट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलकेस ने शानदार बॉलिंग करते हुए अपने टेस्ट करियर का पहला 5 विकेट हॉल लिया और जिम्बाब्वे टीम की दूसरी पारी को 117 रनों के स्कोर पर समेटने में अहम भूमिका अदा की। जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में 9 ओवर्स की गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 37 रन देने के साथ 5 विकेट हासिल किए।

जिम्बाब्वे के सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंचे

तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी, जिसमें रचिन रविंद्र (नाबाद 165) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की। डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। न्यूजीलैंड की टेस्ट मैचों में पिछली सर्वश्रेष्ठ जीत भी 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ ही थी जब नेपियर में उसने पारी और 301 रन से जीत दर्ज की थी।

अब तक की सबसे बड़ी जीत

- इंग्लैंड- पारी और 579 रन (बनाम ऑस्ट्रेलिया, साल 1938)
- ऑस्ट्रेलिया - पारी और 360 रन (बनाम साउथ अफ्रीका, साल 2002)
- न्यूजीलैंड - पारी और 359 रन (बनाम जिम्बाब्वे, साल 2025)
- वेस्टइंडीज - पारी और 336 रन (बनाम भारत, साल 1958)

न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों ने खेली शतकीय पारी

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की तरफ से बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें तीन बल्लेबाज शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। डीवोन कॉन्वे ने जहां 153 रनों की पारी खेली तो वहीं रचिन रवींद्र के बल्ले से 165 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली इसके अलावा हेनरी निकल्स ने भी 150 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर कीवी टीम अपनी पहली पारी में 601 रनों के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही।

5.40 लाख रुपए में बिकी गिल की जर्सी

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में शुभमन गिल ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से खूब सुर्खिंया बटोरी और उनकी लोकप्रियता में और भी ज्यादा इजाफा हुआ। गिल की लोकप्रियता तब देखने को मिली जब इंग्लैंड में एक चैरिटी ऑक्शन में उनकी पहनी हुई टेस्ट जर्सी को खरीदने के लिए लोगों में होड़ सी लग गई और सबसे ज्यादा दाम में बिकी। गिल ने ये टीशर्ट लॉर्ड्स टेस्ट मैच के दौरान पहनी थी। इस नीलामी में गिल की जर्सी के लिए सबसे ज्यादा बोली लगी और वो 5.40 लाख रुपए में बिकी।

- केएल राहुल की जर्सी की बोली 4.70 लाख रुपए लगी

शुभमन गिल के अलावा इस नीलामी में बोली के लिए केएल राहुल, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और जो रूट की टीशर्ट भी रखी गई थी और इन खिलाड़ियों की जर्सी को भी खरीदने में लोगों ने खूब दिलचस्पी दिखाई। ये नीलामी 10 से 27 जुलाई तक चली थी और इस नीलामी से मिलने वाली पूरी राशि रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन को दी जाएगी। यह फाउंडेशन उन परिवारों की सहायता करती है, जो किसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हों।

बुमराह-जडेजा की जर्सी का 4.94 लाख लगा मोल

इस नीलामी मे बुमराह और जडेजा की जर्सी करीब 4.94 लाख रुपए में बिकी जबकि केएल राहुल की जर्सी की बोली 4.70 लाख रुपए लगी। जो रूट की साइन की हुई जर्सी इस नीलामी में 4.47 लाख जबकि बेन स्टोक्स की जर्सी करीब 4 लाख रुपए में बिकी। इसके अलावा रूट की साइन की हुई कैप 3.52 लाख रुपए में बिकी तो वहीं ऋषभ पंत की जर्सी 1.76 लाख रुपए में नीलाम हुई।

खिलाड़ियों की जर्सी की कीमत

शुभमन गिल- 5.40 लाख रुपए
जसप्रीत बुमराह- 4.94 लाख रुपए
रविंद्र जडेजा- 4.94 लाख रुपए
केएल राहुल- 4.70 लाख रुपए
जो रूट- 4.47 लाख रुपए
ऋषभ पंत- 1.76 लाख रुपए

महिला हॉकी : सेमीफाइनल में पहुंचे छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और यूपी

काकीनाडा। छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की, जबकि चार क्वार्टरों के निर्धारित समय में उनका मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था।

झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

बिजनेस साइट

रक्षाबंधन पर राहत और संकल्प : उत्तरकाशी आपदा प्रभावितों के लिए पतंजलि ने भेजी राहत सामग्री

हरिद्वार। उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में आई भीषण आपदा के बीच पतंजलि योगपीठ ने मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए राहत कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई है। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव, महामंत्री आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि फूड्स के एमडी रामभरत के नेतृत्व में प्रारंभिक रूप से 3 ट्रकों में आवश्यक राहत सामग्री रवाना की गई है। इस सामग्री में आटा, चावल, दालें, नमक, मसाले, तिरपाल, बर्तन, टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं, जो धराली व हर्षिल क्षेत्र के लगभग 500 प्रभावित परिवारों को वितरित की जाएंगी। रक्षाबंधन के अवसर पर पतंजलि योगपीठ में श्रावणी उपाकर्म व उपनयन संस्कार भी संपन्न हुआ। इस अवसर पर पतंजलि गुरुकुलम् व

आचार्यकुलम् की छात्राओं एवं बहनों ने स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण को राखी बांधी और रक्षा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने और भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, रक्षा बंधन केवल बहनों की रक्षा का पर्व नहीं, बल्कि देश की रक्षा का भी संकल्प लेने का अवसर है।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI
रायपुर शाखा:-समवेत शिखर भवन, एकात्म परिसर के सामने, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के [नियम 8 (1)] के तहत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया का प्राधिकृत, रायपुर शाखा अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लेखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋ णी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य (कब्जा) नीचे वर्णित दिनांक को ग्रहण कर लिया है तथा जिसका विवरण अधोवर्णित है।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (18) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है। ऋणी/बंधककर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय बैंक ऑफ इंडिया, रायपुर शाखा के मूल ब्याज व अन्य व्यय के भार के अधीन होगा जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

उधारकर्ता/जमानतदार	संपत्ति का विवरण	मांग पत्र दिनांक	देय राशि
उधारकर्ता:- श्री चंद्रशेखर वर्मा पिता श्री तुलाराम वर्मा और सह-उधारकर्ता श्रीमती चित्रा वर्मा पति श्री चंद्रशेखर वर्मा।	साम्यिक बंधक युक्त अचल संपत्ति फ्रीहोल्ड परिवर्तित भूमि एवं भवन जिसका खसरा नं. 644/4 भाग, प.ह.नं. 105, भाटागांव, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल 1300 वर्गफीट में स्थित है, जो श्री चंद्रशेखर वर्मा पिता श्री तुलाराम वर्मा के नाम पर है, **चौहद्दी**:-पूर्व-रोड, पश्चिम-विक्रेता की शेष भूमि, उत्तर-मंडन की भूमि, दक्षिण-कृष्ण कुमार की क्रय भूमि।	दिनांक 01.05.2025 कब्जा दिनांक 05.08.2025	₹ 10,92,314.55 (दस लाख बानवे हजार तीन सौ चौदह रुपये और पचपन पैसे मात्र) + ब्याज + अन्य खर्च
उधारकर्ता:-मेसर्स श्री फिजिकल लैब (प्रोप.- श्री चंद्रशेखर वर्मा पिता तुला राम वर्मा)	(1) खसरा नं. 742/3, प.ह.नं. 06, ग्राम-जामराव, रा.नि.मं.-भिलाई-3, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.), क्षेत्रफल 5450 वर्गफीट, मेसर्स श्री फिजिकल लैब के नाम पर स्थित है। **चौहद्दी**:-पूर्व-गेंद लाल की भूमि, पश्चिम-सुनील खंडेलवाल की भूमि, उत्तर-सुनील खंडेलवाल की भूमि, दक्षिण-गेंद लाल की भूमि।	दिनांक 01.05.2025 कब्जा दिनांक 05.08.2025	₹ 21,38,455.00 (इक्कीस लाख अड़तीस हजार चार सौ पचपन रुपये मात्र) + ब्याज + अन्य खर्च
(2) ख.नं. 742/2 (भाग), प.ह.नं. 06, ग्राम-जामराव, रा.नि.मं.-भिलाई-3, तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.), क्षेत्रफल 600 वर्गफीट, मेसर्स श्री फिजिकल लैब के नाम पर स्थित है। **चौहद्दी**:-पूर्व-गेंद लाल की भूमि, पश्चिम-सुनील खंडेलवाल की भूमि, उत्तर-चंद्रशेखर की भूमि, पश्चिम-गेंद लाल की भूमि।			

दिनांक : 10.08.2025, स्थान : रायपुर
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

Product shown in the picture may vary from the actual products available in the market. All features and colours may not be part of all variants.Accessories shown in the pictures are not part of standard equipment. For creative visualisation only.*Terms & Conditions Apply

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) 122050, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

होंडा अधिकृत विक्रेता : रायपुर : ए सिटी होंडा - 9785823333, ग्रैंड होंडा - 0771-4033794, वरूण होंडा - 0771-4005901, जी.के. होंडा - 8058254444, आरंग: वी श्री होंडा - 9893728947, भिलाई: आन होंडा (पॉवर हाऊस): 0788-4013336, 9584378238, जुनवानी रोड (फरीद नगर मैदान के सामने) - 6269092899, नंदिनी रोड (बैंक ऑफ बडौदा के पास) - 6269090005, हाऊसिंग बोर्ड (एकता चौक) 6269090006, कोहका (रूंगटा रोड) 6269090004, नेहरू नगर (नेहरू नगर चौक) 8518020999, दुर्ग: श्री सांईराम होंडा (स्टेशन रोड) - 0788-4017246, 8458882333, रिसाली (कृष्णा टाकीज रोड) - 0788-4067690, 8823050333, बोरसी (एसबीआई बैंक के पास) - 0788-4058968, 8823050444, राजनांदगांव: अंशदीप होंडा - 07744-223100, मनराज होंडा - 07744-223333, महासमुंद: श्री आर्यन होंडा - 9425204997, दल्लीराजहरा: श्री शुभ होंडा - 7587764225, 9406082344, बालोद (गंजपारा)- 9425564232, बलौदा बाजार: किरण होंडा - 7049518181, कवर्धा: प्रथा होंडा- 7400550099, बेमेतरा : श्री रामा होंडा - 7824222521, धमतरी: श्री श्याम होंडा- 07722-233255, जगदलपुर: वाहेगुरु होंडा - 8435090001, कोंडागांव: दंतेश्वरी होंडा- 8517909999, कांकेर : शिवनाथ होंडा - 8720008800, 7970005301

For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com
Embassy

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com